हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

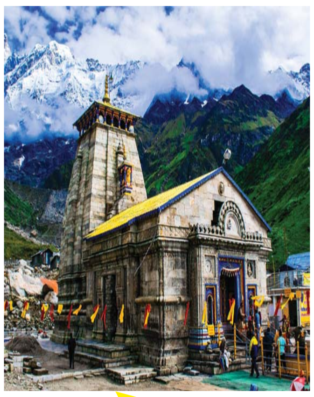

वर्ष:4 अंक:268 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, गुरूवार, 02 अक्टूबर 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने पिथौरागढ़-मुनस्यारी व हल्द्वानी-अल्मोड़ा हेली सेवाओं का किया शुभारंभ

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को क्षेत्रीय संपर्क योजना (उड़ान योजना) के तहत पिथौरागढ़-मुनस्यारी-पिथौरागढ़ और हल्द्वानी-अल्मोड़ा-हल्द्वानी हेली सेवाओं का मुख्यमंत्री आवास से वर्चुअल माध्यम से भव्य शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि अब दूरस्थ क्षेत्रों में आम नागरिकों का आवागमन तेज़ और सुगम होगा, और पर्यटन तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि अल्मोड़ा और मुनस्यारी न केवल ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि ये प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध संस्कृति के केंद्र हैं। हेली सेवाओं के शुरू होने से हल्द्वानी से अल्मोड़ा तक की यात्रा 3-4 घंटे से घटकर कुछ मिनटों में पूरी हो सकेगी, जिससे पर्यटक इन क्षेत्रों तक आसानी से पहुँच पाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उड़ान योजना ने प्रदेश में हवाई संपर्क को सशक्त किया है। उत्तराखंड में अब 18 हेलीपोर्ट्स के निर्माण और विकास की प्रक्रिया चल रही है, जिनमें से 12 हेलीपोर्ट्स पर सेवाएँ सफलतापूर्वक प्रारंभ हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने यह भी बताया कि हेली सेवाओं के माध्यम से गौचर, जोशियाड़ा, हल्द्वानी, मुनस्यारी, मसूरी, पिथौरागढ़, पंतनगर, चंपावत, बागेश्वर, नैनीताल और अल्मोड़ा जैसे क्षेत्रों को जोड़ा गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों को भी हेली सेवाओं से जोड़ा जाएगा।

हेली सेवा की समय सारिणी और किराया

पिथौरागढ़- मुनस्यारी: सुबह 10:30 × दोपहर 1:50
मुनस्यारी- पिथौरागढ़: सुबह 10:50 × दोपहर 2:10
हल्द्वानी- अल्मोड़ा: सुबह 11:50 × दोपहर 3:10
अल्मोड़ा- हल्द्वानी: दोपहर 12:50 × सायं 4:10
किराया 2,500 प्रति व्यक्ति, ऑनलाइन बुकिंग शुरू
कार्यक्रम में सचिव युकाडा सचिन कुर्वे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी युकाडा आशीष चौहान एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संघ ने देश के सामने आने वाली हर चुनौतियों का डटकर सामना किया : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपनी प्राथमिकताओं को राष्ट्र की प्राथमिकताओं के साथ सरेखित करते हुए हर युग में देश के सामने आने वाली बड़ी चुनौतियों का डटकर सामना किया है। मोदी ने बुधवार को यहां आरएसएस के शताब्दी समारोह में कहा कि गुरुवार को विजयादशमी का महापर्व है जो भारतीय संस्कृति के शाश्वत उद्घोष का प्रतीक है। ऐसे ही पावन अवसर पर शताब्दी वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना कोई संयोग नहीं है। उन्होंने कहा कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही एक प्राचीन परंपरा का पुनरुद्धार है जिसमें राष्ट्रीय चेतना प्रत्येक युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए रूपों में प्रकट होती है। उन्होंने इस उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया है। 100 रुपये के इस सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न और दूसरी ओर स्वयंसेवकों द्वारा सलामी दिए जा रहे सिंह के साथ वरद मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि अंकित है। श्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में संभवतः यह पहली बार है जब भारत माता की छवि भारतीय मुद्रा पर दिखाई दी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि 1963 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने देशभक्ति की धुनों पर ताल से ताल मिलाते हुए बड़े गर्व के साथ परेड में भाग लिया था। उन्होंने कहा कि यह डाक टिकट उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति को समेटे हुए है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार महान नदियाँ अपने तटों पर मानव सभ्यताओं का पोषण करती है उसी प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी असंख्य जीवन को पोषित और समृद्ध किया है। एक नदी जो अपने माध्यम से बहने वाली भूमि, गाँवों और क्षेत्रों को आशीर्वाद देती है इसी प्रकार संघ ने भारतीय समाज के हर क्षेत्र और राष्ट्र के हर क्षेत्र को छुआ है। श्री मोदी ने कहा कि संघ के अनेक धाराओं में विस्तार के बावजूद उनमें कभी विभाजन नहीं हुआ। मोदी ने कहा, अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक महान उद्देश्य - राष्ट्र निर्माण - को अपनाया है।÷ उन्होंने कहा कि संघ अपनी स्थापना के समय से ही देशभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि विभाजन के कष्टदायक दौर में जब लाखों परिवार विस्थापित हुए थे, स्वयंसेवक सीमित संसाधनों के बावजूद शरणार्थियों की सेवा में सबसे आगे खड़े रहे।

तीनों सेनाओं के एकीकरण में बजटीय संतुलन बनाये रखते हुए सक्रिय योगदान दे रक्षा लेखा विभाग: राजनाथ

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण के लिए चल रही कवायद के बीच रक्षा लेखा विभाग से उनकी जरूरतों के अनुसार बजटीय समीकरणों को बनाये रखते हुए इस महत्वपूर्ण पहल में सक्रिय योगदान देने को कहा है। श्री सिंह ने बुधवार को यहां रक्षा लेखा विभाग के 278 वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि रक्षा लेखा विभाग की तीनों सेनाओं तक पहुंच है और उन्हें तीनों की जरूरतों के बारे में भलीभांति पता है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब तीनों सेनाओं में एकीकरण का काम तेजी से चल रहा है तो लेखा विभाग को इस काम को सरल तथा प्रभावी बनाने के लिए अपनी भूमिका की पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि लेखा विभाग के समक्ष यह चुनौती है कि वह अनुसंधान और विकास की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बजटीय समीकरणों को बरकरार रखे और एकीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाये। उन्होंने कहा , ÷ आज के समय में अनुसंधान और विकास की जो जरूरत है उसको देखते हुए रक्षा लेखा विभाग के पास एक बड़ी चुनौती यह है, कि किस प्रकार से वह बजटीय समीकरण को बरकरार रखते हुए अनुसंधान और विकास की राशि की प्रक्रिया को भी सुगम बनाये।÷ श्री सिंह ने कहा कि रक्षा लेखा विभाग को तीनों सेनाओं के साथ बैठकर विचार विमर्श करना चाहिए कि वे तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण को सुविधाजनक और सुगम कैसे बना सकते हैं। उन्होंने कहा , ÷ आप सभी, सेनाओं के साथ बैठकर, विचार-विमर्श करें और यह देखें, कि आप लोग तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण को कितना आसान बना सकते हैं। यह हमारी तीनों सेनाओं के एकीकरण में अच्छे

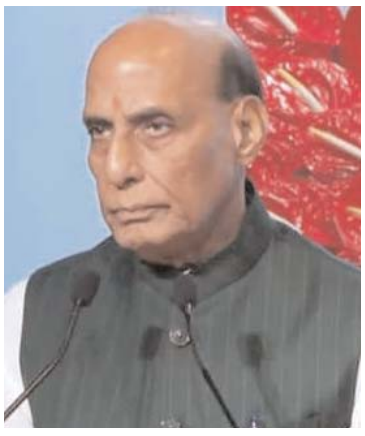

परिणाम दे सकता है, ऐसा मेरा विश्वास है। ÷

रक्षा लेखा विभाग के महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह विभाग सशस्त्र सेनाओं और सहयोगी संगठनों के वित्तीय प्रबंधन में बड़ी भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सलाह, लेखा और बजट प्रबंधन एक तरफ तो रक्षा सेवाओं की वित्तीय स्थिति को सुनिश्चित करती है वहीं दूसरी तरफ संचालन तैयारियों को भी सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि रखा लेखा विभाग ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वित्तीय मजबूती सुनिश्चित की, संसाधनों की पूर्ति की और संचालन तत्परता को बनाए रखा। उन्होंने कहा , ÷ यह केवल एक लेखा संगठन नहीं है , यह एक ऐसा प्रवर्तक है जो राष्ट्र के आर्थिक चक्र के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करता है। यह एक अदृश्य सेतु है जो वित्त और सशस्त्र बलों को जोड़ता है।÷

रक्षा मंत्री ने नयी पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के कारण रक्षा खरीद की लागत कम होने का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे अधिक से अधिक रक्षा खरीद की जा सकेगी।

सतत साधना के सौ वर्ष, संघ बढ़ता जा रहा है: सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत

नई दिल्ली। हरिद्वार लोकसभा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री माननीय त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने आज नई दिल्ली में आयोजित एक ऐतिहासिक कार्यक्रम में सहभाग किया, जहाँ पावन महानवमी के अवसर पर आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के पूर्व दिवस पर विशेष स्मारक डाक टिकट एवं स्मारक सिक्का जारी किया।

सांसद श्री रावत ने कहा कि इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनना उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सतत साधना के सौ वर्ष – संघ बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के प्रेरक शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा कि ÷कभी एक थे हम, हुए आज इतनेज नहीं तब डरे थे, तो अब क्या डरेंगे। हर विपदा में खड़े हैं हम चट्टान बनकरज

सांसद श्री रावत ने कहा कि संघ की यह शताब्दी यात्रा केवल एक संगठन की यात्रा नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रनिर्माण, आत्मबल

और समाजहित के अदम्य संकल्प की गाथा है, जिसने भारत को नई दिशा, नई ऊर्जा और नई चेतना प्रदान की है। इस अवसर पर गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी, भाजपा केंद्रीय कार्यालय प्रभारी महेंद्र पांडेय, पटपड़गंज विधानसभा दिल्ली के विधायक सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

खरगे को डॉक्टरों ने दी पेसमेकर लगाने की दी सलाह

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को मंगलवार को सांस लेने में तकलीफ होने पर बेंगलुरु एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। श्री खरगे की हालत अब स्थिर है और उन्हें डॉक्टरों ने पेसमेकर लगाने की सलाह दी है।

श्री खरगे के बेटे और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने बुधवार दोपहर सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा श्री खरगे को डॉक्टरों ने पेसमेकर लगाने की सलाह दी है और उन्हें पहले से रूटीन प्लान के तहत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और वह बेहतर महसूस कर रहे हैं। श्री प्रियांग खरगे ने कहा कि आपकी चिंता और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष को मंगलवार को बुखार और पैर में दर्द

की शिकायत के बाद बेंगलुरु के एमएस रमैया अस्पताल ले जाया गया। वहां के डॉक्टर उनकी देखभाल कर रहे हैं। खरगे का स्वास्थ्य खराब होने की जानकारी मिलने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने आज उनसे अस्पताल जाकर मुलाकात की। श्री खरगे से मुलाकात करने के बाद मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने कहा वह अब स्वास्थ्य महसूस कर रहे हैं। बात कर रहे हैं। कल उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

देश का पहला 3डी कंक्रीट प्रिंटेड ग्रामीण आवास: डॉ. पेम्मासानी चन्द्र शेखर ने किया भव्य उद्घाटन

पथ प्रवाह, रुड़की

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चन्द्र शेखर ने केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीबीआरआई), रुड़की में देश का पहला 3डी कंक्रीट प्रिंटेड ग्रामीण आवास का उद्घाटन किया। यह नवाचार भारत की ग्रामीण आवास यात्रा का एक ऐतिहासिक क्षण है, जो पारंपरिक ज्ञान और आधुनिकतम तकनीक का सम्मिलन है।

डॉ. पेम्मासानी चन्द्र शेखर ने अपने संबोधन में कहा, ÷कच्ची दीवारों से 3डी प्रिंटिंग तक, भारत ने सभी के लिए सुरक्षित, मजबूत और टिकाऊ घर उपलब्ध कराने की अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। ये 3डी प्रिंटेड घर केवल तकनीक नहीं, बल्कि भविष्य का प्रतीक हैं, जहाँ आवास सस्ता, अनुकूलनशील और पर्यावरण-अनुकूल होगा।÷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत अब तक 3.85 करोड़ मकान स्वीकृत हुए हैं और 2.87 करोड़ पूरे हो चुके हैं। स्वतंत्र आंकड़ों से यह भी सामने आया कि ग्रामीण

परिवारों की आय में 17% की वृद्धि, अस्पताल जाने के मामलों में 14% की कमी और घरों में 72% महिलाओं के नाम पर होने से महिला सशक्तिकरण और पारिवारिक कल्याण को मजबूती मिली है।

डॉ. शेखर ने सीबीआरआई के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान ने 250 क्षेत्र-विशिष्ट आपदा-रोधी आवासीय डिज़ाइन तैयार किए हैं। इसके अलावा, गैर-क्षरणशील मिट्टी का पलस्तर, कम लागत वाली मजबूती तकनीकें और दो-गड्ढा शौचालय प्रणाली जैसे नवाचारों ने पाँच करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ भारत मिशन के तहत गरिमापूर्ण जीवन प्रदान किया है।

उद्घाटन समारोह में डॉ. पेम्मासानी ने रुद्राक्ष - उत्तराखंड में ग्रामीण आवास नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। इस पुस्तक में उत्तराखंड राज्य की सांस्कृतिक रूप से जुड़ी, टिकाऊ और जलवायु-संवेदनशील आवासीय परंपराओं का संकलन प्रस्तुत किया गया है।

भविष्य की दिशा पर बल देते हुए डॉ. शेखर ने सीबीआरआई से 100 किफायती 3डी प्रिंटेड घरों के पायलट प्रोजेक्ट की घोषणा की। उन्होंने संस्थान को तापीय आराम, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण, जलवायु-रोधी डिज़ाइन और मिस्त्री प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया, ताकि वैज्ञानिक नवाचार सीधे ग्रामीण परिवारों को लाभान्वित कर सके।

अपने संबोधन के अंत में उन्होंने कहा - विकास केवल मकान बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसे घर बनाने के बारे में है जो रोशनी, गरिमा और आत्मनिर्भरता से भरे हों। सीबीआरआई की वैज्ञानिक उत्कृष्टता को विकसित भारत 2047 की दृष्टि से जोड़ते हुए हम एक मजबूत, स्वस्थ और टिकाऊ ग्रामीण भारत की नींव रख रहे हैं। उद्धघाटन समारोह में सीएसआईआर-सीबीआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईआईटी रुड़की के संकाय सदस्य, ग्रामीण विकास मंत्रालय के प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन और विद्यार्थी उपस्थित थे।

चंपावत में विकास की रफ्तार तेज, पर्यटन और सांस्कृतिक परियोजनाओं को नई पहचान : मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

पथ प्रवाह,चंपावत

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चंपावत में डबल इंजन सरकार की योजनाओं का लाभ तेजी से जनता तक पहुँच रहा है। उन्होंने बताया कि मोटर मार्गों के निर्माण और सुधार के साथ जाम की समस्या कम करने के लिए मल्टीस्टोरी पार्किंग और आईएसबीटी का निर्माण कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि जिला अस्पताल में 20 करोड़ की लागत से 50 बेड का क्रिटिकल केयर ब्लॉक बन रहा है, महिला छात्रावास और आईटी लैब का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। चूका क्षेत्र को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है, और माँ पूर्णागिरी मंदिर के लिए रोपवे का कार्य भी गतिमान है।

साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शारदा कॉरिडोर पर कार्य शुरू हो चुका है। विज्ञान केंद्र और श्यामलाताल झील का निर्माण कार्य नई पीढ़ी के लिए शिक्षा और पर्यटन के अवसर प्रदान करेगा। महिला टेक्नोलॉजी पार्क से महिलाओं को रोजगार और उद्यमिता के अवसर भी मिलेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने रामलीला के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह केवल

धार्मिक कथा का मंचन नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। भगवान श्रीराम का आदर्श जीवन युवाओं को धर्म, सत्य, त्याग और मर्यादा का संदेश देता है।

उन्होंने कहा कि लैंड जिहाद पर कड़ी कार्रवाई की गई है, 9 हजार एकड़ सरकारी भूमि मुक्त कराई गई, 250 अवैध मदरसे सील किए गए और 500 से अधिक अवैध संरचनाएं हटाई गई हैं। राज्य में मदरसा बोर्ड समाप्त होगा और 1 जुलाई 2026 से गैर-मान्यता प्राप्त मदरसे बंद होंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि देश में सबसे पहले समान नागरिक संहिता लागू करने का ऐतिहासिक कदम भी उठाया गया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भव्य राममंदिर निर्माण सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने वाला कार्य है और उत्तराखंड सरकार अयोध्या में राज्य अतिथि गृह का निर्माण कर रही है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी चंपावत सहित रामलीला कमेटियों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने सभी को शारदीय नवरात्रि की महानवमी और विजयादशमी की शुभकामनाएं भी दी।

परिजनों से नाराज युवक ने पानी की टंकी पर चढ़ कर किया हाई वोल्टेज ड्रामा

पथ प्रवाह संवाददाता

हरिद्वार/लक्सर। परिजनों से नाराज होकर एक युवक पानी की टंकी पर चढ़ गया। उसने टंकी पर चढ़कर हाई वोल्टेज ड्रामा किया। उसने टंकी से कूदकर जान देने की धमकी दी। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह युवक को टंकी से नीचे उतारा। हरिद्वार पुलिस की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया और परिजनों ने राहत की सांस ली।

पुलिस के मुताबिक ग्राम प्रधान रायसी द्वारा सूचना दी कि ग्राम हबीबपुर निवासी युवक उम्र 21 वर्ष अपने घरवालों से लड़कर पानी की टंकी पर खुदकुशी करने की आशय से चढ़ गया है जिससे परिजन डरे सहमे है। सूचना पर तत्काल संज्ञात लेते हुए चौकी इंचार्ज रायसी मय टीम के मौके पर पहुंचकर सूझबूझ कर परिचय देते हुए टंकी पर चढे युवक से शालीनता से पूछताछ की और उसकी नाराजगी का कारण पूछा। इसके बाद उन्होंने उसकी समस्या का तत्काल समाधान करने की बात कहकर युवक को किसी तरह समझा बुझाकर अपने विश्वास में लिया। आर्थिक तंगी से उभारने के लिये चौकी प्रभारी नीरज रावत ने मौके पर ही अपने जेब से पैसे

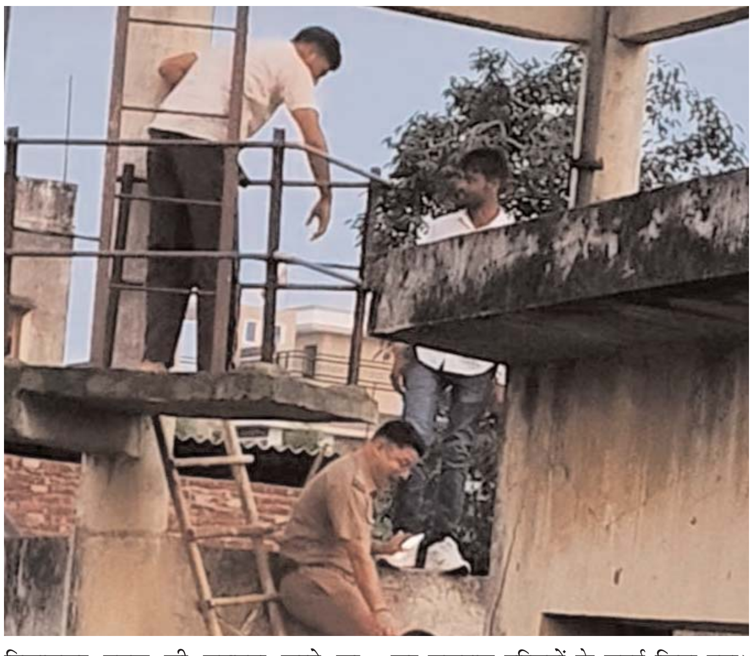

निकालकर युवक की सहायता करने का आश्वासन देकर युवक को अपने विश्वास में लिया। जिसपर युवक विश्वास होने पर टंकी से नीचे उतर गया। पुलिस द्वारा समझा बुझा कर सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस की सुझबूझ व त्वरित कार्यवाही की परिजनों व आमजन द्वारा दिल से प्रशंसा की गयी।

एक नजर

गांधी जयंती पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दी श्रद्धांजलि

पथ प्रवाह, देहरादून। गांधी जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि गांधी जी ने अंग्रेजी शासन से देश को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हमें अपने आचरण में अहिंसा का भाव जागृत करने के साथ ही मानवता के प्रति करुणा का भाव भी विकसित करना होगा। यही हमारे लिए गांधी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर मुख्यमंत्री धामी ने दी श्रद्धांजलि

कहा - शास्त्री जी का 'जय जवान, जय किसान' नारा आज भी राष्ट्र की प्रेरणा

पथ प्रवाह, देहरादून - मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जयंती की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि शास्त्री जी ने 'जय जवान, जय किसान' का नारा देकर राष्ट्र को स्वाभिमान और एकजुटता के साथ मजबूती से खड़े होने का मार्ग दिखाया।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि शास्त्री जी ने सार्वजनिक जीवन में सादगी, सत्यनिष्ठा, लगन, नैतिकता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की जो अद्भुत मिसाल कायम की, वह हम सबके लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी का व्यक्तित्व और कृतित्व देश की युवा पीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

दिवंगत पत्रकार राजीव प्रताप के परिजनों से मिले सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी

परिजनों को ढांढस बंधाया, हर सम्भव मदद का दिया आश्वासन

पथ प्रवाह, संवाददाता, देहरादून - सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी आज दिवंगत पत्रकार राजीव प्रताप के निधन पर शोक संवेदना प्रकट करने उनके दीपनगर स्थित आवास पहुँचे। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। तिवारी ने कहा कि सरकार इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़ी है और हर तरह से सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ पत्रकार राजीव प्रताप के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने परिजनों के प्रति संवेदनाएँ प्रकट करते हुए घटना की गहन और निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) का गठन किया है। उत्तरकाशी के पुलिस उपाधीक्षक की अध्यक्षता में गठित यह टीम हर पहलू से जांच करेगी और पूरी पारदर्शिता के साथ सच्चाई सामने लाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चरररस्ट परीक्षा में नकल प्रकरण की सीबीआई जांच को दी मंजूरी

युवाओं के हित और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए लिया गया निर्णय

पथ प्रवाह, संवाददाता, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UKSSSC) की हाल ही में आयोजित परीक्षा में नकल प्रकरण की सीबीआई जांच की संस्तुति को अनुमोदित कर दिया है। राज्य सरकार ने यह निर्णय युवाओं के हितों और भविष्य की पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए लिया है। मुख्यमंत्री धामी हाल ही में बेरोजगार संघ के धरना स्थल पर स्वयं पहुंचे थे और युवाओं से संवाद कर उन्हें आश्वस्त किया था कि सरकार पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सीएम ने कहा कि युवाओं के मन में किसी भी प्रकार की शंका या संदेह नहीं रहना चाहिए। इसीलिए सरकार ने मामले को केवल राज्य की एजेंसियों तक सीमित रखने के बजाय केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) को सौंपने का निर्णय लिया है। सीबीआई जांच से पूरे प्रकरण की गहन और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित होगी और दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ऐसी पारदर्शी प्रक्रियाओं के माध्यम से युवाओं के विश्वास को मजबूत करने और उनके हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक नजर

हरिद्वार रोडवेज बस स्टैंड स्थानांतरण: रोडवेज प्रशासन की रिपोर्ट तैयार

पथ प्रवाह,हरिद्वार। हरिद्वार रोडवेज बस स्टैंड के स्थानांतरण को लेकर रोडवेज प्रशासन ने एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर ली है। इस रिपोर्ट में मेडिकल कॉलेज जगजीतपुर के समीप संभावित भूमि का पूरा रोडमैप शामिल किया गया है। हालांकि, इस भूमि पर कुछ अड़चनें सामने आ रही हैं, जिन पर ध्यान दिया जा रहा है। वहीं, गौरी शंकर द्वीप की भूमि का निरीक्षण भी प्रशासन द्वारा किया जा चुका है। रोडवेज प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि हरिद्वार में आस्थावान श्रद्धालुओं की सुविधा और स्थानीय नागरिकों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ही बस स्टैंड की नई भूमि का चयन किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हरिद्वार के नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और रोडवेज बस स्टैंड से आसपास के कारोबार में बढ़ोतरी हो। साथ ही, रोडवेज के आसपास स्थित स्कूलों को भी किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस बीच, जगजीतपुर में बस स्टैंड की संभावना पर जमीनों के दाम में बढ़ोतरी के साथ प्रॉपर्टी कारोबारियों की रुचि बढ़ गई है। दूसरी ओर, वर्तमान बस स्टैंड के आसपास के दुकानदारों ने इसका यथावत रहने की मांग की है। उनका कहना है कि रेलवे स्टेशन के सामने स्थित बस स्टैंड सही स्थान पर है और इसे शिफ्ट करने की कोई आवश्यकता नहीं है। जानकारी के अनुसार, अक्टूबर का महीना सनातन संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में प्रशासन ने निर्णय लिया है कि बस स्टैंड के स्थानांतरण पर अंतिम फैसला दीपावली पर्व के बाद ही शासन की ओर से लिया जाएगा।

मुनि मंडल के परमाध्यक्ष ने सात संतों पर लगाया जान से मारने की धमकी देने का आरोप

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। कनखल के मुनि मंडल आश्रम में संपत्ति हड़पने की नीयत से षड्यंत्र रचने और महंत को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में कनखल पुलिस ने अखाड़े के सात संतों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मुनि मंडल आश्रम के परमाध्यक्ष स्वामी आनंद राघव और उनके शिष्य स्वामी अमर मुनि ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 12 जुलाई को आश्रम में परंपरा के अनुसार संरक्षक, महंत और कोठारी पद पर पट्टाभिषेक का कार्यक्रम चल रहा था। आरोप है कि इसी दौरान सूर्यांश मुनि, जयेन्द्र मुनि, महंत गंगादास और चन्द्रमा दास समेत कई संत पहुंचे और कार्यक्रम रुकवाने का प्रयास करने लगे। आरोप है कि इन सभी आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध चाकू के साथ एक गिरफ्तार

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। ज्वालापुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को अवैध चाकू के साथ दबोचा। कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्रांतर्गत संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चैकिंग की कार्रवाई की जा रही थी। पुलिस के मुताबिक ज्वालापुर पुलिस को इस दौरान एक व्यक्ति आता दिखायी दिया। रोककर जब उसे पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम दीपक कश्यप पुत्र मदन कश्यप निवासी अंबेडकर पार्क टिबड़ी कोतवाली बताया। उसके पास से तलाशी लेने पर एक अवैध चाकू मिला। आरोपी के विरुद्ध ज्वालापुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

शादी में पैसों की जरूरत पूरी करने के लिए चुरा लिया ट्रैक्टर

कोतवाली नगर प्रभारी ने 24 घंटे के अंदर ढूंढ लिया चोरी हुआ ट्रैक्टर, एक गिरफ्तार

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। कोतवाली नगर प्रभारी रितेश शाह और उनकी टीम ने चोरी हुए एक ट्रैक्टर को 24 घंटे के अंदर ढूंढ कर अभियुक्त को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना का खुलासा करने के लिए हरिद्वार से लेकर यूपी के जनपद शामली तक सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले। आरोपी बीए पास है और विद्युत विभाग में ठेकेदारी का काम करता है।

पुलिस के मुताबिक राकेश पाल पुत्र भरत सिंह निवासी बिशनपुर कुण्डी थाना पथरी जिला हरिद्वार ने थाना कोतवाली नगर पर आकर तहरीर दी कि उसका ट्रैक्टर संख्या UP12BB-5433 जो भागीरथी होटल रोड, बेलवाला के पास खड़ा किया गया था, अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है। तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली नगर पर मुकदमा दर्ज किया गया। प्रकरण की संवेदनशीलता को देखते हुए जल्द गिरफ्तारी व ट्रैक्टर बरामदगी के लिये पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा घटना स्थल से लेकर पूरे हरिद्वार क्षेत्र एवं शामली (उत्तर प्रदेश) तक के छ्च्च्ञ्च्ङ्ख कैमरों की गहन छानबीन की गई। मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। उच्चस्तरीय मुखबिरी एवं सुराग-पतारसी के चलते पुलिस टीम ने एक व्यक्ति को चोरी किये ट्रैक्टर के साथ दबोचा। आरोपी वादी के यहाँ नौकरी करता था तथा वहाँ की सभी चीज़ों से भलीभाँति परिचित था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि अगले महीने उसकी शादी होनी थी जिसमें उसे अपनी लग्जरी लाइफ जीने के लिए पैसों की आवश्यकता थी। ट्रैक्टर को देखकर उसके मन में लालच आ गया। जिसके बाद उसने ट्रैक्टर चुराने की घटना को अंजाम दे दिया। कोतवाली प्रभारी रितेश शाह ने बताया कि आरोपी का मना सन्नी कुमार पुत्र बिजेन्द्र कुमार निवासी हड़ौली, थाना भौरा कलाँ, जिला मुजफ्फरनगर है।

कांग्रेस नेता वीरेंद्र रावत की छवि धूमिल करने का प्रयास, सोशल मीडिया पर फर्जी ऑडियो मामले में मुकदमा दर्ज

पथ प्रवाह, संवाददाता

हरिद्वार लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी रहे वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र वीरेंद्र रावत की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है। उनके बढ़ते राजनीतिक कद और क्षेत्रीय लोकप्रियता को प्रभावित करने के लिए कुछ अज्ञात विरोधियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक ऑडियो क्लिप जारी की, जिसमें महिला से अश्लील बातचीत सुनाई दे रही थी। वीरेंद्र रावत ने इस पूरी घटना का खंडन करते हुए ज्वालापुर कोतवाली में संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने तहरीर मिलने की पुष्टि की और बताया कि पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फर्जी ऑडियो और एआई तकनीक का इस्तेमाल: कांग्रेस नेता वीरेंद्र रावत ने बताया कि उन्हें सोशल मीडिया पर फर्जी ऑडियो क्लिप के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि यह ऑडियो पूरी तरह से एआई तकनीक की मदद से बनाया गया है और किसी वास्तविक घटना का हिस्सा नहीं है।

राजनीति में सेवा की प्रतिबद्धता, लेकिन घटिया मानसिकता के षडयंत्र: कांग्रेस नेता वीरेंद्र रावत ने कहा कि वे राजनीति में समाज सेवा और जनहित के लिए सक्रिय हैं। उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि भी हमेशा जनसेवा की रही है। लेकिन राजनीति में कुछ लोग दूसरों की छवि खराब करने के लिए इस तरह के घटिया षडयंत्र करते हैं। उन्होंने पुलिस जांच पर भरोसा जताते हुए कहा कि मामले का पूरा पर्दाफाश होगा और सच सामने आएगा।

हरिद्वार में मजबूत पकड़ और सक्रियता: पूर्व लोकसभा उम्मीदवार वीरेंद्र रावत हरिद्वार में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के रूप में जाने जाते हैं। चुनाव में हारने के बावजूद उनकी सक्रियता और क्षेत्रीय लोकप्रियता कम नहीं हुई है। युवा और शिक्षित नेता के रूप में उनका राजनीतिक कद हरिद्वार में महत्वपूर्ण माना जाता है।

उत्तराखंड किसान आयोग के उपाध्यक्ष चौधरी अजीत सिंह ने किया मत्स्य पालन सेंटर का निरीक्षण

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। उत्तराखंड किसान आयोग के उपाध्यक्ष दर्जा धारी राज्य मंत्री चौधरी अजीत सिंह मत्स्य पालन के ग्रोथ सेंटर सेंटर थीथकी कवायदपुर में मत्स्य तालाब पर पहुंचे। जहां पर मत्स्य फाउंडेशन के अध्यक्ष नेपाल सिंह कश्यप ने उनको सम्मानित किया।

मत्स्य जीवी सहकारी समिति के अध्यक्ष पप्पू कश्यप ने माला पहनकर उनका स्वागत किया। अजीत चौधरी ने मत्स्य पालन की जानकारी प्राप्त की। विभागीय निरीक्षक प्रियंका रासो ने मत्स्य विभाग उत्तराखंड एवं केंद्र सरकार की ओर से चलायी जा रही मत्स्य पालन से संबंधित जानकारी दी। नेपाल सिंह कश्यप ने मत्स्य पालन से संबंधित सभी जानकारी उपलब्ध कराई। सरकार की नीतियों के बारे में बताया। नगला ऐमाद समिति के अध्यक्ष बालेन्द्र ने तालाबों पर बढ़ते अतिक्रमण के बारे में उपाध्यक्ष को अवगत कराया और उनसे मांग की है कि ऐसी व्यवस्था की जाए जिसे तालाबों का स्वरूप बचा रहे। निरीक्षण के दौरान भारतीय जनता पार्टी के पनियाला मंडल के अध्यक्ष आशीष कुमार ने भी उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में सागर, आदित्य, प्रमोद कुमार, नरेंद्र कुमार, अजय कश्यप, अमित कश्यप, सतपाल, अंकुश, सोहेब, जविंदर, पंकज कुमार, चंद्रपाल आदि उपस्थित रहे।

आर्य नगर का कूड़ा पॉइंट बना सेल्फी पॉइंट, रंग लाया नगरायुक्त नंदन कुमार का विजन

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। स्वच्छता ही सेवा अभियान के क्रम में नगर निगम ने एक और सराहनीय कदम उठाया है। वर्षों से शहरवासियों के लिए परेशानी का कारण बने आर्य नगर के मजार कूड़ा पॉइंट अब बीते कल की बात हो गया है। नगर निगम ने इसे आकर्षक सेल्फी पॉइंट में बदल दिया है।

इस अवसर पर मेयर किरण जैसल, वार्ड पार्षद सपना शर्मा, सहायक नगर आयुक्त, नगर निगम के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय वार्डवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मेयर एवं पार्षद ने नागरिकों को स्वच्छता का संदेश देते हुए अपील की कि सभी लोग अपने स्रोत से निकलने वाले कूड़े का स्रोत-स्तरीय वर्गीकरण करें तथा कूड़े का निस्तारण करने के लिए केवल नगर निगम की अधिकृत गाड़ियों को ही दें।

कूड़े के ढेरों को हटाकर बनाएंगे स्वच्छ प्वाइंट-नंदन कुमार

नगर आयुक्त आईएएस नंदन कुमार ने बताया कि शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों एवं नगर की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार के लिए नगर निगम द्वारा कूड़ा पॉइंट को व्यवस्थित तरीके से चिन्हित कर स्वच्छ पॉइंट में बदलने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। उन्होंने सभी मुख्य सफाई निरीक्षकों को अपने-अपने वार्डों में ऐसे बिंदुओं की पहचान कर उन्हें सौंदर्यीकरण एवं वैज्ञानिक प्रबंधन के माध्यम से स्वच्छता अनुकूल स्थल में परिवर्तित करने के निर्देश दिए हैं।

स्थानीय लोगों के लिए बना आकर्षण का केंद्र

आर्य नगर के कूड़ा पॉइंट को बदलकर बनाया गया नया सेल्फी पॉइंट अब स्थानीय नागरिकों और युवाओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। जहां पहले दुर्गंध और गंदगी का अंबार दिखाई देता था, वहीं अब आकर्षक पेंटिंग्स, पौधारोपण और स्वच्छता संदेशों से सजा एक नया चेहरा सामने आया है। स्थानीय लोगों ने इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिवर्तन केवल सौंदर्यीकरण ही नहीं बल्कि जनजागरूकता का प्रतीक भी है। नागरिकों ने नगर निगम के प्रयासों की सराहना करते हुए आशा जताई कि इसी तरह अन्य गंदगी प्रभावित बिंदुओं को भी स्वच्छ स्थलों में परिवर्तित किया जाएगा।

विद्युत विभाग और हरिद्वार पुलिस ने बिजली की तार चोरी करते दो दबोचे

पथ प्रवाह संवाददाता।

हरिद्वार/भगवानपुर। बिजली विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने बिजली के तार चोरी करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चुराया गया बिजली का तार बरामद हुआ है।

पुलिस के मुताबिक फिरोज खान पुत्र इकराम अली (अवर अभियंता, 33/11 के.वी. उपकेंद्र डाडा जलालपुर, भगवानपुर) और उनकी टीम थाना भगवानपुर पुलिस की सहायता से लाइन चेकिंग एवं निगरानी में लगे हुए थे। उसी दौरान दो व्यक्ति अपने हाथों में एक प्लास्टिक का कट्टा लेकर आते दिखाई दिए। संदेह होने पर जब उन्हें चेक किया गया तो कट्टे में लगभग 40 मीटर 11 के.वी. लाइन की चोरी की हुई बिजली की तार बरामद हुई। पूछताछ में दोनों व्यक्तियों ने अपने नाम कमल पुत्र अतरू दूसरे ने सौरभ पुत्र धीरेन्द्र बताये दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह तार ग्राम डाडा जलालपुर से खेडी सिकरोड़ा मार्ग पर चल रही लाइन से काटी थी। चोरी की तार के साथ दोनों को हिरासत में लेकर थाना भगवानपुर लाया गया। उनके विरुद्ध प्रभावी धाराओं विद्युत अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

संपादकीय

मानवता शर्मसार

हरिद्वार के महिला अस्पताल में एक ऐसा मामला जिसने न केवल मानवता की परीक्षा ली, बल्कि हमारे स्वास्थ्य तंत्र की गंभीर खामियों को भी उजागर किया। जिला महिला अस्पताल में एक गर्भवती महिला को भर्ती से मना कर दिया गया, और परिणामस्वरूप महिला फर्श पर तड़पते हुए अपने बच्चे को जन्म देने को मजबूर हुई। यह घटना केवल एक अस्पताल की लापरवाही नहीं, बल्कि समाज में बढ़ती संवेदनहीनता की प्रतीक बन गई है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने स्वतः संज्ञान लिया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक द्वारा गर्भवती महिला को बाहर निकालना और आशा वर्कर को फर्श साफ करने के लिए कहना, मानवता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ है। यह दिखाता है कि संवैधानिक अधिकारों और सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं के अस्तित्व के बावजूद, हमारी प्रणाली में अब भी मानवीय मूल्य कहीं खोते जा रहे हैं।

डॉ. आरके सिंह के अनुसार आरोपी महिला चिकित्सक की सेवा समाप्त कर दी गई है, परंतु यह केवल एक शुरुआत है। उत्तराखंड के अस्पतालों में संवेदनहीनता की यह घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं। पहाड़ों के अस्पतालों में मरीजों की परेशानी और चिकित्सकीय लापरवाही देखने को मिलती रही हैं। हमारे स्वास्थ्य तंत्र में सुधार की बहुत आवश्यकता है।

समाज की यह जिम्मेदारी है कि हम ऐसे मामलों पर आंखें बंद न करें। प्रत्येक गर्भवती महिला को सुरक्षित और सम्मानजनक इलाज का अधिकार है। डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी केवल पेशेवर नहीं, बल्कि संवेदनशील इंसान भी हैं। सरकारी सुविधाओं और नियमों का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब हर चिकित्सक और स्टाफ मानवता की कसौटी पर खरा उतरे।

यह समय है जागरूक होने का, समय है कार्रवाई का। संवेदनहीनता की इस दीवार को तोड़ना होगा, ताकि कोई और महिला फर्श पर तड़पकर अपने बच्चे को जन्म न दे। सरकार, स्वास्थ्य प्रशासन और समाज–सबकी जिम्मेदारी बनती है कि महिला सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जाए।

यह केवल एक मामला नहीं, बल्कि चेतावनी है कि यदि संवेदनशीलता और मानवता को स्वास्थ्य सेवाओं में प्राथमिकता नहीं दी गई, तो ऐसे हादसे दोबारा घटित होंगे।

राष्ट्र साधना के 100 वर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

100 वर्ष पूर्व विजयदशमी के महापर्व पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना हुई थी। ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनर्स्थापन था,जिसमें राष्ट्र चेतना समय-समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए,नए-नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। ये हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसा महान अवसर देखने मिल रहा है। मैं इस अवसर पर राष्ट्रसेवा के संकल्प को समर्पित कोटि-कोटि स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देता हूं। मैं संघ के संस्थापक, हम सभी के आदर्शज्परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। संघ की 100 वर्षों की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में भारत सरकार ने विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए हैं।

जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी सैकड़ों जीवन पुष्पित-पल्लवित हुए हैं। जैसे एक नदी जिन रास्तों से बहती हैं, उन क्षेत्रों को अपने जल से समृद्ध करती हैं, वैसे ही संघ ने इस देश के हर क्षेत्र, समाज के हर आयाम को स्पर्श किया है। जिस तरह एक नदी कई धाराओं में खुद को प्रकट करती है, संघ की यात्रा भी ऐसी ही है। संघ के अलग-अलग संगठन भी जीवन के हर पक्ष से जुड़कर राष्ट्र की सेवा करते हैं। शिक्षा, कृषि, समाज कल्याण, आदिवासी कल्याण,महिला सशक्तिकरण, समाज जीवन के ऐसे कई क्षेत्रों में संघ निरंतर कार्य करता रहा है। विविध क्षेत्र में काम करने वाले हर संगठन का उद्देश्य एक ही है, भाव एक ही है....राष्ट्र प्रथम

अपने गठन के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण का विराट उद्देश्य लेकर चला। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए संघ ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण रास्ता चुना और इस चलने के लिए जो कार्यपद्धति चुनी वो थी नित्य-नियमित चलने वाली शाखाएं। संघ शाखा का मैदान, एक ऐसी प्रेरणा भूमि है, जहां से स्वयंसेवक की अहम् से वयं की यात्रा शुरू होती है। संघ की शाखाएंज्व्यक्ति निर्माण की यज्ञवेदी हैं।

राष्ट्र निर्माण का महान उद्देश्य, व्यक्ति निर्माण का स्पष्ट पथ और शाखा जैसी सरल, जीवंत कार्यपद्धति यही संघ की सौ वर्षों की यात्रा का आधार बने। इन्हीं स्तंभों पर खड़े होकर संघ ने लाखों स्वयंसेवकों को गढ़ा, जो विभिन्न क्षेत्रों में देश को आगे बढ़ा रहे हैं।

संघ जब से अस्तित्व में आयाज्संघ के लिए देश की प्राथमिकता ही उसकी अपनी प्राथमिकता रही। आज़ादी की लड़ाई के समय परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी समेत अनेक कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लिया, डॉक्टर साहब कई बार जेल तक गए। आजादी की लड़ाई में कितने ही स्वतन्त्रता सेनानियों को संघ संरक्षण देता रहाज्उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता रहा। आजादी के बाद भी संघ निरंतर राष्ट्र साधना में लगा रहा। इस यात्रा में संघ के खिलाफ साजिशें भी हुईं, संघ को कुचलने का प्रयास भी हुआ। ऋषितुल्य परम पूज्य गुरु जी को झूठे केस में फंसाया गया। लेकिन संघ के स्वयंसेवकों ने कभी कटुता को स्थान नहीं दिया। क्योंकि वो जानते है, हम समाज से अलग नहीं हैं, समाज हमसे ही तो बना है। समाज के साथ एकात्मता और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति आस्था ने संघ के स्वयंसेवकों को हर संकट में स्थित प्रज्ञ रखा हैज्समाज के प्रति संवेदनशील बनाए रखा है।

प्रारंभ से संघज राष्ट्रभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है। जब विभाजन की पीड़ा ने लाखों परिवारों को बेघर कर दिया, तब स्वयंसेवकों ने शरणार्थियों की सेवा की। हर आपदा में संघ के स्वयंसेवक अपने सीमित संसाधनों के साथ सबसे आगे खड़े रहते रहे। यह केवल राहत नहीं थी, यह राष्ट्र की आत्मा को संबल देने का कार्य था। खुद कष्ट उठाकर दूसरों के दुख हरना...ये हर स्वयंसेवक की पहचान है। आज भी प्राकृतिक आपदा में हर जगह स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वालों में से एक रहते हैं।

अपनी 100 वर्षों की इस यात्रा में, संघ ने समाज के अलग-अलग वर्गों में आत्मबोध जगायाज्स्वाभिमान जगाया। संघ देश के उन क्षेत्रों में भी कार्य करता रहा है..जो दुर्गम हैंज्जहाँ पहुँचना सबसे कठिन है। संघ...दशकों से आदिवासी परंपराओं, आदिवासी रीति-रिवाज, आदिवासी मूल्यों को सहेजने-संवारने में अपना सहयोग देता रहा है...अपना कर्तव्य निभा रहा है। आज सेवा भारती...विद्या भारती, एकल विद्यालय...वनवासी कल्याण आश्रम...आदिवासी समाज के सशक्तिकरण का स्तंभ बनकर उभरे हैं।

समाज में सदियों से घर कर चुकी जो बीमारियाँ हैं, जो ऊंच-नीच की भावना है, जो कुप्रथाएं हैं, ये हिन्दू समाज की बहुत बड़ी चुनौती रही हैं। ये एक ऐसी गंभीर चिंता है, जिस पर संघ लगातार काम करता रहा है। डॉक्टर साहब से लेकर आज तक, संघ की हर महान विभूति ने, हर सर-संघचालक ने भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। परम पूज्य गुरु जी ने निरंतर ÷न हिन्दू पतितो भवेत' की भावना को आगे बढ़ाया। पूज्य बाला साहब देवरस जी कहते थे- छुआछूत अगर पाप नहीं, तो दुनिया में कोई पाप नहीं! सरसंघचालक रहते हुए पूज्य रज्जू भैया जी और पूज्य सुदर्शन जी ने भी इसी भावना को आगे बढ़ाया। वर्तमान सरसंघचालक आदरणीय मोहन भागवत जी ने भी समरसता के लिए समाज के सामने एक कुआं, एक मंदिर और एक श्मशान का स्पष्ट लक्ष्य रखा है।

जब 100 साल पहले संघ अस्तित्व में आया था तो उस समय की आवश्यकताएं, उस समय के संघर्ष कुछ और थे। लेकिन आज 100 वर्षों बाद जब भारत विकसित होने की तरफ बढ़ रहा है तब आज के समय की चुनौतियां अलग हैं, संघर्ष अलग हैं।

स्वच्छ भारत मिशन- गांधी जयंती पर शुरू हुआ एक जन आंदोलन

डॉ. राघवेन्द्र शर्मा

महात्मा गांधी की 150 वीं जयंति, 2 अक्टूबर 2014 का दिन। डेढ़ अरब लोग सोच कर बैठे थे, हर साल की तरह इस बार भी प्रधानमंत्री सहित दिल्ली में मौजूद सभी विशिष्ट जन राजघाट स्थित महात्मा गांधी की समाधि पर जाएंगे। उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट के लिए वहां बैठकर रघुपति राघव राजा राम की धुन सुनेंगे। कुछ इस प्रकार मन जाएगी गांधी जयंती। लेकिन बात यहीं पर आकर नहीं थमी। क्योंकि इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो हैं। जैसा कि अनुभव हो रहा है, श्री मोदी औपचारिकताओं से ज्यादा कृतित्व में विश्वास रखते हैं। यही वजह है कि उन्होंने न केवल पुष्पांजलि ही अर्पित की, बल्कि उसी समय गांधी जी के सर्वाधिक प्रिय विषय साफ सफाई पर आधारित स्वच्छ भारत मिशन नामक एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा कर दी। योजना का आशय यह था कि हमें अपने घर से लेकर समाज और अपना गांव, शहर भी साफ सुथरा बनाना है। देश भर के राजनेता आश्चर्यचकित थे कि यह क्या ? देश के प्रधानमंत्री ने सफाई जैसी छोटी-मोटी बात एक राष्ट्रीय योजना के रूप में प्रस्तुत कर दी! स्वाभाविक और पारंपरिक आलोचक तत् समय इसे केवल राजनीतिक बयान बाजी बताते रहे। लेकिन जल्दी ही देश में एक बदलाव दिखाई देने लग गया। पहले जहां सफाई केवल सफाई कर्मी की जिम्मेदारी हुआ करती थी, अब वह साझा दायित्व बोध बनती नजर आने लगी थी। कल तक जो लोग अपने घरों के बाहर स्थाई रूप ले चुके कचरे के अनगिनत ढेरों अर्थात घूरों पर अपने घरों का कचरा फेंक कर फारिग हो जाया करते थे, वह अब अपने घर, दुकान, कार्यालय आदि का कचरा लेकर बाहर निकलने लगे हैं। समय के साथ-साथ और सुधार हुए, जब लोग गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करके कचरा गाड़ी में डालने लगे। इसी को जन आंदोलन कहते हैं। नागरिक छोटे से गांव का निवासी हो या फिर किसी बड़े महानगर का, सफाई को अपना दायित्व समझने लगा है। इसी का प्रमाण है कि जिन्हें लंबे समय तक सफाई कर्मी और न जाने किन-किन अपमानजनक नामों से संबोधित किया जा रहा था, अब वह हमारे मित्र हैं और उनका नाम है सफाई मित्र। जी हां, हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उनके लिए यही नाम सुनिश्चित किया है। यहां एक सवाल यह भी उठता है कि जब राजनेताओं को लेकर अधिकांशतः जनता जनार्दन के मन में नकारात्मकता का भाव स्थापित है, तब नागरिकों द्वारा श्री मोदी के आवाह्न को इतनी गंभीरता से क्यों लिया जाता है ? इसका जवाब श्री मोदी की कथनी और करनी में स्पष्ट दिखता है। मसलन, वह जनहित की जिस योजना की घोषणा करते हैं, उसका शिलान्यास और लोकार्पण भी समय पर हो जाए, यह सुनिश्चितता पहले ही तय कर चुके होते हैं। जबकि पूर्व के नेताओं की कार्य प्रणाली से प्रतिबद्धता का यह भाव नदारद ही था। यही कारण है कि भले ही लोगों का राजनेताओं पर भरोसा कम हुआ हो, लेकिन नरेंद्र मोदी जैसे राष्ट्र सेवकों की एक बड़ी खेप जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संस्कारित होकर राष्ट्रीय सेवा हेतु आगे आ रही है, उसने अपने जनहितैषी कार्यों से जनता जनार्दन का विश्वास जीतना शुरू कर दिया है। यही वह वातावरण है जो श्री मोदी की स्वीकार्यता को प्रामाणिकता प्रदान करता है। यही बात स्वच्छ भारत मिशन के क्रियान्वयन पर भी लागू होती है।

चूंकि श्री मोदी ने कहा है, इसलिए लोग स्वयं की इच्छा से इस मिशन से जुड़ रहे हैं। खासकर मध्य प्रदेश की बात करें तो नंबर वन शहर का खिताब भी हमारे प्रांत की आर्थिक नगरी इंदौर को मिला हुआ है। इस स्वच्छ और स्वस्थ स्पर्धा में देश के अनेक राज्य, शहर और गांव बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। स्पष्ट है, स्वच्छता को लेकर एक जन आंदोलन खड़ा हो गया है। ठीक वैसे ही जैसा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने निश्चित किया था, कि हम इस मामले में महात्मा गांधी का अनुसरण करेंगे। जैसे वे अपनी, अपने निवास स्थान की तथा आसपास की स्वच्छता को लेकर तत्पर रहते थे। यहां तक कि उनके द्वारा सफाई को ईश्वर पूजा का ही एक स्वरूप होने की मान्यता दी गई थी। श्री मोदी के कथन अनुसार बापू मानते थे कि जब तक हमारे आसपास का वातावरण स्वच्छ नहीं होगा, तब तक हम पूरी तरह स्वच्छता की कल्पना कर ही नहीं सकते। बकौल श्री नरेंद्र मोदी, महात्मा गांधी कहा करते थे कि जब हम सफाई के बीच रहते हैं, तभी हमारे तन और मन स्वच्छता का अनुभव कर पाते हैं। इसी अवस्था को पूर्ण स्वच्छता का दर्जा दिया जा सकता है। वर्तमान परिवेश बापू द्वारा बताए गए स्वच्छता के इस मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

आरएसएसः सेवा, त्याग और राष्ट्र निर्माण की शताब्दी यात्रा

राजनाथ सिंह

27 सितंबर 1925 को जब डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की थी, तब शायद ही किसी ने ऐसा सोचा होगा कि आगामी सौ वर्षों में यह संगठन इतना विशाल और प्रभावशाली बन जाएगा। बीते दस दशकों में आरएसएस ने भारत की सामाजिक बुनियाद को मजबूत किया है, उसकी संप्रभुता की रक्षा की है, कमजोर वर्गों को सशक्त बनाया है और भारतीय सभ्यता के मूल्यों को संजोए रखा है। वर्तमान में आरएसएस निःस्वार्थ सेवा का जीवंत प्रतीक बन गया है। आरएसएस के शताब्दी उत्सव के अवसर पर, उसकी यात्रा को पुनः याद करना उचित भी है और आवश्यक भी।

हाल ही में दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में सरसंघचालक श्री मोहन भागवत ने संघ के समावेशी विचारों पर चर्चा करते हुए कहा ÷धर्म व्यक्तिगत पसंद का विषय है; इसमें किसी तरह का प्रलोभन या जोर-जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए।÷ यह वक्तव्य संघ की मूल विचारधारा को प्रतिबिंबित करता है कि समाज में टकराव नहीं, सामंजस्य हो ; बिखराव नहीं, एकता हो और केवल भौतिक वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि जीवन की सार्थकता पर बल हो। आज भी संघ की दैनिक शाखाएँ और स्वयंसेवकों द्वारा चलाए गए कार्यक्रम; अनुशासन, आत्मबल और भारतीय संस्कृति पर गर्व करने की प्रेरणा देते हैं जिससे श्रेष्ठ भारत के निर्माण का मार्ग सुगम होता हैं।

इसलिए यह अत्यंत स्वाभाविक बात है कि संघ के अनुकरणीय योगदान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से संघ को ÷दुनिया का सबसे बड़ा गैर-सरकारी संगठन÷ बताया और देशवासियों को संघ की सौ साल की भव्य, प्रेरणादायक और समर्पित यात्रा के बारे में याद दिलाया।

वर्ष 1947 में जब भारत स्वतंत्रता का उत्सव माना रहा था तब विभाजन की त्रासदी की वजह से बहुत जनहानि हुई थी और लाखों लोगों को अपने घरों से विस्थापित होना पड़ा था। ऐसी भीषण परिस्थिति में आरएसएस के स्वयंसेवक एक अनुशासित, संगठित और निःस्वार्थ सेवकों के रूप में सामने आए। उन्होंने हिंसा से प्रभावित लोगों को सुरक्षा प्रदान करने और चिकित्सा उपलब्ध कराने के साथ विस्थापित लोगों के पुनर्वास में अनन्य योगदान दिया। विभाजन से पहले भी आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक श्री गुरुजी (एम.एस. गोलवलकर) और संघ के कई वरिष्ठ नेताओं ने पंजाब के विभिन्न हिंसाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया था और उन्होंने वहाँ के लोगों को आत्मरक्षा और राहत कार्यों के लिए संगठित किया था। इस दौरान संघ की भूमिका का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि तत्कालीन हालात से घबराये कांग्रेसी नेताओं को भी अपने परिवारों और समुदाय की रक्षा के लिए संघ की मदद लेनी पड़ी थी। स्वयंसेवकों की सेवा के कारण ही द ट्रिब्यून अख़बार ने अपनी एक रिपोर्ट में आरएसएस को ÷ञ्द्धद्द ह्य2श्ह्म्स्र ड्डह्द्ध श्द्ध क्क्ठ्ठद्भड्डड्ढ÷ कहा था।

संघ द्वारा समाज-सेवा का कार्य विभाजन के बाद भी अनवरत जारी रहा । 1984 में जब सिख विरोधी दंगे भड़काए गए और हजारों सिखों की हत्या की गई, तब भी संघ स्वयंसेवक सिखों की रक्षा और राहत कार्यों के लिए सबसे आगे थे। लेखक खुशवंत सिंह ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि श्रीमति इंदिरा गांधी की हत्या के बाद में हिंदू-सिख एकता बनाए रखने में आरएसएस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संघ के कार्यों को देखकर यह बात आसानी से कही जा सकती है कि कुछ लोगों द्वारा आरएसएस पर बहुसंख्यकवादी संगठन होने का आरोप लगाना बिल्कुल निराधार और गलत है। स्वतंत्रता के समय भी संघ ने भारत के अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों की रक्षा में मदद की थी। मार्च 1947 में, जब मुस्लिम लीग द्वारा उकसाई गई भीड़ श्री हरमंदिर साहिब की ओर बढ़ी, तो तलवारों और लाठियों से लैस आरएसएस के स्वयंसेवकों ने न केवल उसका सामना किया बल्कि उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। तीन दिन बाद, जब एक और सुनियोजित हमला श्री हरमंदिर साहिब पर करने का प्रयास किया गया था, तब आरएसएस के स्वयंसेवकों ने एक मानव घेरा बनाकर गुरुद्वारे की रक्षा की थी और हमलावरों को सफलतापूर्वक खदेड़ भगाया था।

भारत के एकीकरण में संघ के योगदान से भी बहुत लोग अवगत नहीं हैं। कश्मीर से गोवा और दादरा नगर हवेली तक, संघ ने भारत की अखंडता को बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाई है। जब पाकिस्तान समर्थित कबायली हमलावरों ने जम्मू-कश्मीर पर आक्रमण किया, तो सरदार वल्लभभाई पटेल ने महाराजा हरि सिंह को विलय के लिए राजी करने हेतु श्री गुरुजी की मदद मांगी थी। इसके बाद श्री गुरुजी श्रीनगर गए और उन्होंने हरि सिंह को तत्काल विलय करने के लिए मनाने का प्रयास किया था। आरएसएस स्वयंसेवकों ने 1947-48 के युद्ध के दौरान सेना की सहायता भी की थी। साथ ही मीरपुर और मुजफ्फराबाद जैसे क्षेत्रों से भाग रहे शरणार्थियों के लिए राहत कार्यों की व्यवस्था भी संभाली थी।

1954 में स्वयंसेवकों ने दादरा और नगर हवेली को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराने में अग्रणी भूमिका निभाई। के.आर. मलकानी की पुस्तक ÷दी आरएसएस स्टोरी÷ के अनुसार– ÷ 2 अगस्त 1954 को लगभग 200 आरएसएस स्वयंसेवकों ने, नाना काजरेकर और सुधीर फड़के के नेतृत्व में, दादरा और नगर हवेली को आज़ाद कराया। उन्होंने राइफ़ल, ब्रेन गन और स्टेन गन से लैस 175 पुर्तगाली सैनिकों को खदेड़ दिया।÷ इसी तरह, गोवा की आज़ादी के लिए आरएसएस ने भूमिगत स्वतंत्रता आंदोलनों में भाग लिया था। पुर्तगाली सैनिकों की गोलीबारी में कई स्वयंसेवकों ने अपने प्राण न्योछावर भी किए। उनका बलिदान गोवा के भारत-विलय में निर्णायक साबित हुआ।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों को किया सम्मानित

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र, नींबूवाला, देहरादून में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर प्रतिभाग किया। उन्होंने प्रदेश के सभी वरिष्ठ नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया और वरिष्ठ नागरिक सम्मान संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने ÷माँ के नाम पर÷ पौधा रोपण किया और वृद्धजनों की सेवा के लिए निशुल्क एंबुलेंस वैन तथा वृद्धजनों की वाकथन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज के अटूट स्तंभ हैं, जिनका अनुभव और आशीर्वाद समाज के लिए मार्गदर्शन करता है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बुजुर्गों के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए निरंतर

प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने अटल वयोअभ्युदय योजना, प्रधानमंत्री वय वंदना योजना, राष्ट्रीय वयोश्री योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना सहित अनेक कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में लगभग 6 लाख बुजुर्गों को पेंशन राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के जरिए उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि राज्य में वृद्धाश्रमों की व्यवस्था लगातार सुदृढ़ की जा रही है। बागेश्वर, चमोली और उत्तरकाशी जनपदों में राजकीय वृद्धाश्रम संचालित हैं, जबकि देहरादून, अल्मोड़ा और चंपावत में नए भवन निर्माणाधीन हैं। इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार के सहयोग से उधम सिंह नगर के रुद्रपुर में मॉडल वृद्धाश्रम का निर्माण किया जा रहा है। रुद्रप्रयाग, टिहरी, पौड़ी और पिथौरागढ़ में भी वृद्धाश्रमों की स्थापना की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने यह भी बताया कि जेरियाट्रिक केयर गिवर प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए विशेषज्ञ प्रशिक्षित किए जा रहे हैं। इस वर्ष 150 मास्टर ट्रेनर और केयर गिवर तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वृद्धजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस वर्ष 1,300 वरिष्ठ नागरिकों की मोतियाबिंद की निशुल्क सर्जरी करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण अधिनियम राज्य में लागू किया गया है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, अध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद रामचंद्र गौड़, उपाध्यक्ष श्रीमती शांति मेहरा, हरक सिंह नेगी, एससी आयोग के अध्यक्ष मुकेश कुमार, सचिव समाज कल्याण डॉ. श्रीधर बाबू अद्दांकी और निदेशक समाज कल्याण चंद्रसिंह धर्मशक्तू सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

डीएवी स्कूल देहरादून में नवरात्रि पर्व पर छात्राओं ने मां दुर्गा के नौ रूपों में की पूजा अर्चना

पथ प्रवाह, देहरादून

डीएवी पब्लिक स्कूल में नवरात्रि का पर्व बड़े ही धूमधाम, हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी झालरों और फूलों से सजाया गया। आस्था की भक्ति से सराबोर स्कूल प्रांगण में मां दुर्गा की पूजा अर्चना की गई औ डांडिया उत्सव मनाया गया।

डीएवी स्कूल की कक्षा नर्सरी से कक्षा 2 तक के छात्र-छात्राओं ने मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं के रूप धारण किए, जबकि अन्य विद्यार्थी पारंपरिक डांडिया परिधान में सज-धज कर विद्यालय प्रांगण में उपस्थित हुए। सभी विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक छवि से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कष्टनिवारणी व भवमोचनी देवमाता मां दुर्गा की आरती और मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। छात्रों ने सफलता, शिक्षा और उत्तम स्वास्थ्य की कामना के साथ मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा अर्चना की और जयकारे लगाते हुए डांडिया

खेल में भाग लिया। डांडिया परिधान में सजे नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों की मुस्कान और डांडिया की मधुर ध्वनि ने पूरे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा और आनंद का संचार किया। इस अवसर पर छात्रों के अध्यापिकाएं भी मौजूद रहीं और उन्होंने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या शालिनी समाधिया ने नवरात्रि के धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह त्यौहार शक्ति, साहस और सद्गुणों को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि वे माता दुर्गा के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण रखें।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने 52 नगर निकायों में 115 अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में शहरी विकास से जुड़ी कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 52 नगर निकायों में 115 अर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर की शुरुआत की गई। इसके साथ ही फेरी व्यवसायियों के पंजीकरण का वृहत अभियान एवं अंगीकार 2.0 को भी लॉन्च किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत बीएलसी. घटक से नव निर्मित 15 हजार 6 सौ आवासों का लोकार्पण भी किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नगर निकायों को अटल निर्मल नगर पुरस्कार प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने रुद्रपुर नगर निगम को प्रथम, पिथौरागढ़ नगर निगम को द्वितीय तथा कोटद्वार नगर निगम को तृतीय अटल निर्मल नगर पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया। इसके साथ ही मसूरी नगर पालिका परिषद को प्रथम, डोईवाला नगर पालिका परिषद को द्वितीय तथा भीमताल को तृतीय अटल निर्मल नगर पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने लालकुआं नगर पंचायत को प्रथम, गुलरभोज नगर पंचायत को द्वितीय तथा भिकियासैंण नगर पंचायत को तृतीय अटल निर्मल नगर पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया। उन्होंने छावनी परिषद लैंसडौन को

प्रथम, रानीखेत को द्वितीय तथा रुड़की छावनी परिषद को तृतीय अटल निर्मल नगर पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शहरी निकायों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु 244 नए वाहनों को राज्य को समर्पित किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इन योजनाओं से शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य, स्वच्छता और आवास की दिशा में ठोस सुधार होंगे और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं से प्रदेश के नगर निकायों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, शहरी गरीबों को आवास उपलब्ध कराने, फेरी व्यवसायियों को संगठित कर उन्हें आजीविका से जोड़ने तथा स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन पहलों से उत्तराखण्ड के नगर निकाय देश के लिए आदर्श प्रस्तुत करेंगे और स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी ये सभी नवीन पहलें न केवल राज्य के नगरीय क्षेत्रों को और अधिक स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाने में सहायक सिद्ध होंगी, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से आज देश के लाखों शहरों, कस्बों और नगरों में साफ-सफाई की एक नई संस्कृति विकसित हुई है। अमृत योजना के द्वारा शहरी बुनियादी ढांचे जैसे जल आपूर्ति, सीवरेज और हरित स्थानों को सशक्त किया गया है। स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा शहरी विकास को तकनीक और नागरिक सुविधा के साथ जोड़ते हुए एक आदर्श नगर विकास का मॉडल प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है।

एक नजर

दबाव की राजनीति से ऊपर उठकर सीएम पुष्कर धामी ने दी सीबीआई जांच की संस्तुति

पथ प्रवाह, संवाददाता। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सीबीआई जांच की संस्तुति उन्होंने किसी दबाव में नहीं, बल्कि युवाओं के हितों की रक्षा के लिए की है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा - युवाओं के हितों के लिए मैं सर झुका भी सकता हूं और खुद को मिटा भी सकता हूं। यूकेएसएसएससी की स्नातक स्तरीय परीक्षा को लेकर उठे आक्रोश ने पूरे राज्य को हिला दिया था। बेरोजगार महासंघ के नेतृत्व में देहरादून के परेड ग्राउंड में धरना लगातार आठ दिनों तक जोर पकड़ता गया। कांग्रेस ने भी मौके को भांपते हुए आंदोलनरत युवाओं का समर्थन किया और सरकार को घेरने का प्रयास किया। इसी बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खुद मोर्चा संभालते हुए धरना स्थल पर पहुंचकर युवाओं से सीधे संवाद किया। उन्होंने वहीं पर सीबीआई जांच की घोषणा कर युवाओं का विश्वास

जीतने का प्रयास किया। नतीजा यह हुआ कि युवाओं ने सीएम की बातों पर भरोसा कर धरना स्थगित कर दिया। मुख्यमंत्री धामी ने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि ÷कुछ लोग आरोप लगा रहे हैं कि हम दबाव में आकर झुक गए। मैं उन्हें स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं केवल युवाओं के हितों के लिए झुक सकता हूं। विपक्ष अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए युवाओं को ढाल बना रहा था और अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में नकल प्रकरण सामने आते ही सरकार ने तुरंत कार्रवाई की, आरोपियों की गिरफ्तारी कराई और एसआईटी का गठन किया। लेकिन विपक्ष ने इस मामले को राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया। सीएम धामी ने कहा कि भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाने के लिए उनकी सरकार ने देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया है। परिणामस्वरूप पिछले चार वर्षों में राज्य के 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली और 100 से ज्यादा नकल माफिया जेल की सलाखों के पीछे पहुंचे। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि ÷हमारी सरकार युवाओं की न्यायोचित मांगों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सीबीआई जांच से लेकर नकल माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई तक, हर कदम युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए उठाया गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया 'मानसखंड' लोकगीत एल्बम का विमोचन

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में लोकगायक फौजी ललित मोहन जोशी की लोकगीतों की एल्बम ÷मानसखंड÷ का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर गीतकार हेमंत बिष्ट, संगीतकार संजय कुमोला सहित पूरी टीम मौजूद रही। मुख्यमंत्री धामी ने सभी कलाकारों को बधाई देते हुए कहा कि उत्तराखंड की लोक संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुँचाने का यह एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि लोकगीत हमारी सभ्यता और संस्कृति की आत्मा हैं। ÷मानसखंड÷ जैसी कृतियाँ न केवल हमारी समृद्ध परंपरा को जीवित रखती हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक चेतना का संचार भी करती हैं। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार लगातार लोक संस्कृति और लोककला को प्रोत्साहित करने के लिए कार्य कर रही है। देवभूमि उत्तराखंड के लोकगायक, लोकनृत्य और लोककला हमारे पर्यटन और सांस्कृतिक धरोहर की पहचान हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मानसखंड एल्बम जन-जन तक पहुँचेगी और सांस्कृतिक चेतना को और मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को लोक संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के लिए ऐसे प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। सरकार की भी कोशिश है कि स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जा सके।

इस अवसर पर लोकगायक फौजी ललित मोहन जोशी ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके लिए गौरव का क्षण है कि राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के उनके प्रयास को मुख्यमंत्री ने सम्मान दिया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक और कला जगत से जुड़े कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर मनेरा स्टेडियम गूंजा उत्साह से, 119 धावकों ने क्रॉस कंट्री दौड़ में लिया हिस्सा

मनेरा स्टेडियम से बड़ेथी बाइपास तक गूंजा उत्साह, विजेताओं ने हासिल किए शीर्ष स्थान

पथ प्रवाह, संवाददता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जयंती के शुभ अवसर पर तथा ÷स्वच्छता ही सेवा÷ पखवाड़े के अंतर्गत बुधवार को उत्तरकाशी जिला खेल कार्यालय की ओर से मनेरा स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में भव्य क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया। यह आयोजन खेल निदेशालय उत्तराखंड, जिला प्रशासन उत्तरकाशी तथा जिला खेल कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें कुल 05 वर्गों–अंडर-14 बालक/बालिका, अंडर-17 बालक/बालिका और ओपन पुरुष वर्ग–में 119 धावकों ने भागीदारी की। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला क्रीड़ाधिकारी उत्तरकाशी बबीता बिष्ट ने हरी झंडी दिखाकर किया।

इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस को ध्यान में रखते हुए जिला क्रीड़ाधिकारी ने

सभी खिलाड़ियों, अधिकारियों और खेल विभाग के स्टाफ को सम्मान, सेवा और सहयोग की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि आज का दिन महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की प्रेरणा का दिन है। दोनों ही महापुरुष अनुशासन, संघर्ष और सेवा की प्रतिमूर्ति रहे। खिलाड़ियों ने आज उनकी प्रेरणा से स्वच्छता और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। मुझे गर्व है कि उत्तरकाशी के युवा खेलों में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। क्रॉस कंट्री दौड़ में अंडर-14 बालक वर्ग में प्रभात रावत ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रशांत रावत द्वितीय, राजा बिष्ट तृतीय, केदार चौथे, आर्यन पांचवें और देवेश कुमार छठे स्थान पर रहे। अंडर-14 बालिका वर्ग में खुशी ने पहला स्थान पाया। अंशिका चौहान द्वितीय, निमिषा रावत तृतीय, सौम्या रावत चौथी, प्रतीक्षा पांचवीं और आइशा छठी रहीं। अंडर-17 बालक वर्ग में नितिन कलूड़ा प्रथम, दिव्यांशु द्वितीय और सुमित राणा तृतीय स्थान पर रहे जबकि अंडर-17 बालिका वर्ग में अंशिका मराठा ने शानदार प्रदर्शन कर प्रथम स्थान पाया। शीतल द्वितीय और पलक तृतीय स्थान पर रहीं। ओपन पुरुष वर्ग में रविंद्र ने पहला स्थान, विनीत ने दूसरा और दीपक पंवार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सहायक प्रशिक्षक नवीन चन्द्र सुयाल ने कहा कि क्रॉस कंट्री दौड़ न सिर्फ शारीरिक फिटनेस बल्कि मानसिक दृढ़ता की भी परीक्षा है। आज यहां की भागीदारी बताती है कि हमारे युवा खेलों के प्रति गंभीर और अनुशासित हैं। उन्होंने आगे कहा कि गांधी जी और शास्त्री जी की जयंती पर खेल के जरिए युवाओं ने जो संदेश दिया है, वह समाज के लिए प्रेरणादायक है।

दौड़ मनेरा स्टेडियम से प्रारंभ होकर बड़ेथी बाइपास से होते हुए पुनः स्टेडियम में संपन्न हुई। मार्ग में स्थानीय लोग धावकों का उत्साहवर्धन करते नजर आए। इस अवसर पर खेल विभाग के प्रशिक्षकों श्रीकांत बडोनी, कनिकपाल सिंह, विकास सेमवाल, ज्योति, आरती, अर्पिता, नीलम, खेलो इंडिया अंशकालिक प्रशिक्षक कृष्णा रमोला व रितिका, पीआरडी स्वयंसेवक ज्ञानेश भट्ट, मुकेश पंवार, देवसिंह चौहान, देवेन्द्र चौहान, सुरेंद्र सिंह, अजय रावत, रजनी पयाल समेत स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और गंगोत्री फिजिकल एकेडमी के संचालक चंद्रमोहन चौहान, अधिवक्ता अभय राज बिष्ट आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर उत्तरकाशी पुलिस ने ली वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण की शपथ, वृक्षारोपण कर दिया सम्मान व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पथ प्रवाह, संवाददता

उत्तरकाशी। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर उत्तरकाशी पुलिस ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की शपथ ली। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन में जनपद के सभी थाना, कोतवाली, इकाई एवं शाखाओं में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहाँ अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान, सहानुभूति और करुणा बनाए रखने के साथ ही उनके अधिकारों व हितों की रक्षा तथा समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प दिलाया गया।

पुलिस कर्मियों को शपथ दिलाते हुए यह स्पष्ट किया गया कि प्रत्येक परिवार और समुदाय में वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सहायक और समावेशी वातावरण तैयार करना समय की आवश्यकता है। पुलिस ने यह भी वचन लिया कि वृद्धजनों को शारीरिक और भावनात्मक समर्थन देने में सदैव अग्रणी भूमिका निभाई जाएगी। इस अवसर पर उत्तरकाशी पुलिस ने समाज और पर्यावरण के बीच समन्वय का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत

किया। ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत जिले के सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान में शामिल हुए। इस सामूहिक पहल से न केवल वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान का संदेश दिया गया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया। पुलिस कार्यालय की मीडिया सेल के अनुसार, इस कार्यक्रम का उद्देश्य वृद्धजनों को सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक संबल प्रदान करना है। साथ ही वृक्षारोपण अभियान ने यह संदेश दिया कि जैसे माँ और बुजुर्ग जीवन का आधार होते हैं, वैसे ही पेड़-पौधे भी हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवनदायी आधार हैं।

जनपद भर में हुए इन आयोजनों ने एक बार फिर यह साबित किया कि उत्तरकाशी पुलिस केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय मूल्यों के संरक्षण में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है।

सौ साल में आरएसएस ने देश को फायदा पहुंचाने वाला कोई काम नहीं किया : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) 100 साल का हो चुका है लेकिन अपनी स्थापना से अब तक उसने कोई ऐसा काम नहीं किया जिससे देश को फायदा हुआ है।

कांग्रेस ने बुधवार को यहां सोशल मीडिया पर एक बयान में संघ पर अंग्रेजों का मुखबिर होने का आरोप लगाया और कहा कि इस संगठन ने हिंदुओं और मुस्लिमों का सांप्रदायिक विभाजन कर, देश को दो टुकड़ों में बांटकर खोखला कर दिया है।

पार्टी ने कहा कि संघ का आज शताब्दी वर्ष है लेकिन इन सौ वर्षों में इस संगठन ने एक भी काम ऐसा नहीं किया जिससे देश को नुकसान छोड़ कोई फायदा पहुंचाया हो। पार्टी ने संघ को देश को बांटने वाला संगठन बताया और कहा कि आजादी के आंदोलन के दौरान उसके नेता न जेल गए और न ही अंग्रेजों ने उस पर कभी प्रतिबंध लगाया था।

कांग्रेस ने तीखा हमला करते हुए कहा कि 1942 में अंग्रेजों के खिलाफ शुरू हुए %भारत छोड़ो आंदोलन% में जब पूरा देश जेल जा रहा था, तब संघ इस आंदोलन को दबाने में अंग्रेजों की मदद कर रहा था। पार्टी ने आरोप लगाया कि इस संगठन का एक भी नेता आजादी की लड़ाई में जेल नहीं गया और महात्मा गांधी, भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे देशभक्तों और क्रांतिकारियों को अराजक कहकर ब्रिटिश शासन के पक्ष में काम करता रहा।

पार्टी ने संघ पर यह भी आरोप लगाया कि उसने संविधान निर्माण के लिए अपने एक भी प्रतिनिधि को संविधान सभा में नहीं भेजा था इसलिए शुरु से ही वह (आरएसएस) संविधान को नकारता रहा है।

रामलीला मंच पर धर्म की विजय, रावण-मंदोदरी का शोक बना भावुक क्षण

पथ प्रवाह, संवाददता

उत्तरकाशी। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन प्रसंगों को मंचित करती उत्तरकाशी की ऐतिहासिक और पौराणिक रामलीला अपने 74वें भव्य मंचन के साथ नगरवासियों को धर्म, नीति और आदर्श की सीख दे रही है। सन् 1952 से निरंतर आयोजित हो रही यह रामलीला न केवल धार्मिक अनुष्ठान है बल्कि जनपद की सांस्कृतिक पहचान और लोकधरोहर भी बन चुकी है। इस वर्ष की रामलीला का विशेष आकर्षण यह है कि मंचन पाँचवीं बार गढ़वाली बोली में भी किया जा रहा है और 3 अक्टूबर को पहली बार वीर अभिमन्यु का गढ़वाली चक्रव्यूह नाटक दर्शकों के सामने प्रस्तुत होगा।

रामलीला मैदान में प्रतिदिन की तरह आज भी शाम ढलते ही वातावरण भक्तिरस में डूब गया। विशाल मंच पर जब लंका का राजदरबार सजाया गया और रावण के आदेश पर ढोल-नगाड़ों की गड़गड़ाहट के बीच कुंभकरण का जागरण हुआ तो दर्शकों में उत्सुकता चरम पर थी। विशालकाय वेशभूषा में मंच पर आए कुंभकरण को देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो उठा। रावण के आदेश पर वह

युद्धभूमि में जाता है और श्रीराम से भिड़ता है। मंच पर दोनों पक्षों के बीच युद्ध का दृश्य प्रस्तुत हुआ, बाणों की टंकार, युद्ध घोष और नगाड़ों की ध्वनि ने पूरे मैदान को रणभूमि का रूप दे दिया। अंततः जब कुंभकरण पराजित होकर भूमि पर गिरा तो दर्शकों की सांसें थम गईं और उसके वध के साथ ही मैदान तालियों से गूंज उठा।

इसके बाद मेघनाथ का प्रसंग मंचित हुआ। रावणपुत्र इंद्रजीत अपनी मायावी शक्तियों से लक्ष्मण पर प्रहार करता है। शक्ति लगते ही लक्ष्मण मूर्छित होकर भूमि पर गिर जाते हैं। मंच पर जब लक्ष्मण को निश्चेष्ट दिखाया गया तो दर्शकों के चेहरे भी चिंता से भर गए। तभी हनुमान की भूमिका निभा रहे प्रवीण कैन्तुरा मंच पर आते हैं और संजीवनी लेकर लौटते हैं। संजीवनी का स्पर्श होते ही लक्ष्मण के उठने का दृश्य ऐसा था कि पूरा मैदान जयकारों से गूंज उठा। इसके पश्चात लक्ष्मण और मेघनाथ के बीच युद्ध हुआ, जिसमें लक्ष्मण ने मेघनाथ का वध कर धर्म की विजय और अधर्म की हार का संदेश दिया। इस प्रसंग पर दर्शकों ने देर तक तालियां बजाई।

इसके बाद मंच पर सबसे भावुक कर देने वाला दृश्य प्रस्तुत हुआ। पुत्रवियोग से व्याकुल लंकापति रावण और मंदोदरी का शोकपूर्ण विलाप ऐसा था कि दर्शक भी सहानुभूति से भर उठे। मंदोदरी की भूमिका निभाने वाली रूप मोहिनी राणा के आंसुओं से भीगी करुण पुकार और रावण का आर्तनाद पूरे वातावरण को भावविह्वल कर गया। मंचन के इस हिस्से में दर्शकों की आंखें नम हो गई और मौन वातावरण ने रावण के दुख की गहराई को और भी प्रकट कर दिया।

आज के मंचन में राम के रूप में आयुष पंवार, लक्ष्मण के रूप में अजय मखलोगा, हनुमान के रूप में प्रवीण कैन्तुरा, रावण के रूप में अजय पंवार और मंदोदरी के रूप में रूप मोहिनी राणा ने अद्वितीय अभिनय प्रस्तुत किया। मेघनाथ की भूमिका ठाकुर दीपेंद्र सिंह परमार ने निभाई। इनके साथ विभीषण, अंगद, जामवंत और अन्य पात्रों ने भी मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। मंचन की वेशभूषा, संगीत और संवादों ने दर्शकों को मानो त्रेतायुग में पहुंचा दिया।

समारोह में कांग्रेस जिला अध्यक्ष मनीष राणा, प्रदेश महिला आयोग की पूर्व उपाध्यक्ष प्रभावती गौड़, प्रदेश कांग्रेस महासचिव भूपेश कुड़ियाल, महिला कांग्रेस महासचिव मीना नौटियाल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष राखी राणा, कल्पना ठाकुर, उपाध्यक्ष एकादशी भारती और छात्र संघ की कोषाध्यक्ष शालिनी रावत मुख्य अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने रामलीला समिति के प्रयासों की सराहना की। समिति के प्रबंधक भूपेश कुड़ियाल ने कहा कि रामलीला केवल एक नाट्य मंचन नहीं बल्कि हमारी संस्कृति, आस्था और लोकधर्म का जीवित विद्यालय है। इस बार गढ़वाली बोली में मंचन और पहली बार चक्रव्यूह नाटक आयोजन हमारी परंपरा को और समृद्ध करेगा। कांग्रेस जिला अध्यक्ष मनीष राणा ने कहा कि समिति सात दशकों से धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को संजोए हुए है, यह नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का जीवंत उदाहरण है। पूर्व उपाध्यक्ष महिला आयोग प्रभावती गौड़ ने कहा कि रामलीला में महिलाओं की भागीदारी और गढ़वाली बोली का समावेश हमारी संस्कृति को और गौरवशाली बनाता है। समिति अध्यक्ष गजेंद्र सिंह मटूड़ा ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पहचान का पर्व है।

हरिद्वार में महानवमी पर 121 कन्याओं का पूजन, मां सिद्धिदात्री के चरणों में श्रद्धालुओं ने अर्पित किया भक्ति भाव

पथ प्रवाह, संवाददाता

शारदीय नवरात्रि के शुभ अवसर पर श्रवणनाथ मठ में महानवमी एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने 121 कन्याओं का पूर्ण विधि विधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन किया।

कन्या पूजन: श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक

पूजन के उपरांत श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कन्याओं को अपने हाथों से भोजन कराया, उपहार और दक्षिणा भेंट की और चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के नौवें दिन माता सिद्धिदात्री की पूजा विशेष महत्व रखती है। माता सिद्धिदात्री का स्वरूप सिद्धि और मोक्ष प्रदान करने वाला है। महाराज ने कहा, मां सिद्धिदात्री की आराधना से सभी कार्य सिद्ध होते हैं और साधक मोक्ष की प्राप्ति करता है।

नवरात्र साधना का पूर्णाहुति चरण

महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद ने बताया कि कन्या पूजन नवरात्र साधना का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। उन्होंने कहा, नौ दिन तक देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना करने के बाद कन्या पूजन करने से साधक को सम्मान, लक्ष्मी, विद्या और तेज की प्राप्ति होती है। महंत ललितानंद गिरी और महंत दर्शन भारती ने भी इस अवसर पर कहा कि महानवमी, देवी दुर्गा द्वारा राक्षस महिषासुर पर विजय की परिणति है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और विजयादशमी के अवसर पर नए प्रयासों की शुरुआत के लिए इसे शुभ माना जाता है।

संतों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति

कार्यक्रम में तेरह अखाड़ों के संत महापुरूषों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन शामिल हुए। महंत राज गिरी, स्वामी रघु वन, स्वामी रवि पुरी, महंत सतीश वन ने सभी संतों और अतिथियों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख संत और गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे

निरंजनी अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरी, महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद, स्वामी ललितानंद गिरी, महंत राघवेंद्र दास, स्वामी हरिवल्लभ दास शास्त्री, महंत सूर्यांश मुनि, स्वामी चिदविलासानंद, स्वामी अनंतानंद, महंत दुर्गादास, महंत प्रह्लाद दास, स्वामी रविदेव शास्त्री, स्वामी हरिहरानंद, स्वामी सुतिक्ष्ण मुनि, महंत बिहारी शरण, महंत रघुवीर दास, महंत जयराम दास, महंत सूरज दास, स्वामी दिनेश दास, एसएमजेएन कालेज के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा, मनसा देवी मंदिर ट्रस्टी अनिल शर्मा कार्यक्रम का माहौल भक्तिभाव और उल्लास से परिपूर्ण रहा। सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने मिलकर नवरात्रि की दिव्यता और कन्या पूजन की परंपरा का आनंद लिया।

एक नजर

थानाध्यक्ष मुनस्यारी के नेतृत्व में चलाया गया जनजागरूकता अभियान

पथ प्रवाह संवाददाता। पिथौरागढ़। साइबर क्राइम, नशा उन्मूलन व नए कानूनों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए थानाध्यक्ष मुनस्यारी अनिल आर्य के नेतृत्व में जनजागरूकता अभियान चलाया गया। थानाध्यक्ष मुनस्यारी अनिल आर्य के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बस स्टेशन मुनस्यारी में ई-वैन के माध्यम से आमजन को जागरूक किया। पुलिस टीम ने लोगों को साइबर क्राइम से बचाव, नशे के दुष्प्रभाव तथा हाल ही में लागू हुए नए कानूनों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने, साइबर ठगी से सतर्क रहने एवं किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करने हेतु प्रेरित किया गया। बताया गया कि जनपद पिथौरागढ़ पुलिस द्वारा ऐसे जनजागरूकता अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

गेहूं का नया एमएसपी 2582 रुपये हुआ, बीते साल से 160 रुपये का हुआ इजाफा

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने रबी फसल वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं सहित चुनींदा फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने विपणन सत्र 2026-27 के लिए एमएसपी में वृद्धि को हरी झंडी दिखायी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी देते हुए कहा कि गेहूं का एमएसपी 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। इसके अलावा जौ का एमएसपी 2150 रुपये प्रति क्विंटल, चना 5875 रुपये प्रति क्विंटल, मसूर 7000 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों /रेपसीड 6200 रुपये प्रति क्विंटल और सैफफ्लावर (कुसुम) का एमएसपी 6540 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। अगर साल रबी फसल वर्ष 2025-26 से तुलना करें तो गेहूं के एमएसपी में 160 रुपये प्रति क्विंटल का इजाफा किया गया है। इसी तरह जौ में 170 रुपये, चने में 225 रुपये, मसूर में 300 रुपये, सरसों में 250 रुपये और सैफफ्लावर के एमएसपी में 600 रुपये क्विंटल का इजाफा कर दिया गया है। तिलहन में सबसे ज्यादा एमएसपी सैफफ्लावर का बढ़ाया गया है जबकि दलहन में मसूर का एमएसपी सबसे अधिक किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 में गेहूं की लागत 1239 रुपये आंकी गई है और नये एमएसपी 2585 के हिसाब से किसान को लागत का 109 प्रतिशत अधिक भाव मिलेगा।

इसी तरह जौ की लागत साल 2026-27 में 1361 रुपये आंकी गई है और उसकी नयी एमएसपी 2150 के अनुसार किसान को लागत से 58 प्रतिशत अधिक भाव मिलेगा। इस तरह चने की लागत 3699 रुपये की तुलना में किसान को 5875 रुपये नयी एमएसपी के अनुसार 59 प्रतिशत अधिक , मसूर की लागत 3705 रुपये की तुलना में नयी एमएसपी 7000 रुपये के हिसाब से 89 प्रतिशत अधिक, सरसों की लागत 3210 रुपये के हिसाब से नयी एमएसपी 6200 में 93 का फायदा और सैफफ्लावर की लागत 4360 है जबकि किसान को नयी एमएसपी 6540 के हिसाब से 50 प्रतिशत का फायदा होगा। यहां लागत से आशय सभी भुगतान की गयी लागतों से है, जैसे मजूदरी, बैल श्रम/मशीन श्रम, पट्टे पर ली गई भूमि का किराया, बीज, उर्वरक, खाद जैसी चीजों पर खर्चा, सिंचाई शुल्क, उपकरणों और कृषि भवनों पर मूल्यह्रास, कार्यशील पूंजी पर ब्याज, पंप सेट आदि के संचालन के लिए डीजल/बिजली, विविध व्यय और पारिवारिक श्रम का अनुमानित मूल्य शामिल हैं।

गर्भवती के साथ अमानवीय व्यवहार करने वाली महिला डॉक्टर की सेवा समाप्त

राज्य महिला आयोग ने लिया संज्ञान, अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने बैठायी जांच

पथ प्रवाह संवाददाता।

हरिद्वार। जिला महिला अस्पताल में एक महिला को जिला महिला अस्पताल में भर्ती करने से मना करने के अत्यंत गंभीर मामले में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने संज्ञान लिया है। मामले में जानकारी मिली है कि भर्ती के लिए मना करने के बाद प्रसूता ने फर्श पर तड़पते हुए बच्चे को जन्म दिया। इसी के साथ डॉक्टरों ने आशा वर्कर को ही फर्श साफ करने के लिए कहा कि तेरा मरीज है, तू ही साफ कर।

मामले में परिजनों का आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने गर्भवती महिला को बाहर निकालते हुए कहा कि यहां डिलीवरी नहीं होगी और महिला को बेसहारा छोड़ दिया। अस्पताल स्टाफ ने भी मदद करने से इनकार कर दिया। महिला प्रसूता को अपने साथ लेकर आई आशा वर्कर को वीडियो बनाने पर उसका फोन छीनने की कोशिश भी की गई है। इस मामले में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने स्वतः संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत चिंता का विषय है क्योंकि सरकार सभी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है और यदि अस्पताल में तैनात चिकित्सकों या कर्मचारियों द्वारा किसी के भी साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य महिला आयोग की सदस्य को जांच के निर्देश दिए है साथ ही आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल इस प्रकरण में सीएमओ आर के सिंह व कमल जोशी को जांच कराने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा की इस निन्दनीय घटना में जांच के बाद इस दौरान ड्यूटी पर उपस्थित चिकित्सकों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ताकि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न हो। वहीं सीएमओ डॉ आरके सिंह का कहना है कि आरोपी महिला चिकित्सक की सेवा समाप्त कर दी गई है, वह संविदा पर कार्यरत थी। इसके अलावा स्टाफ नर्स से भी जवाब तलब किया गया है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रुद्रेश्वर महादेव मंदिर में नवरात्रि उत्सव सम्पन्न, कन्या पूजन से लेकर गायत्री यज्ञ तक गूंजा भक्ति-सामाजिक जागरण का संदेश

पथ प्रवाह, संवाददाता

उत्तरकाशी। नवरात्रि के पावन अवसर पर उत्तरकाशी के प्राचीन रुद्रेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अनोखा संगम देखने को मिला। तीसरे वर्ष लगातार आयोजित हो रहे इस नवरात्रि उत्सव में कन्या पूजन, अखंड रामायण पाठ, भजन-कीर्तन और अंत में गायत्री यज्ञ के माध्यम से विश्व शांति और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए विशेष आहुति दी गई। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने रुद्रेश्वर मंदिर समिति के प्रयासों को सराहा और मंदिर को केवल पूजा-अर्चना का स्थल ही नहीं बल्कि सामाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण का केंद्र बताया।

समिति के संरक्षक अजय प्रकाश बडोला ने कहा कि हमारा उद्देश्य यही है कि बड़े मंदिरों के साथ-साथ छोटे मंदिर भी धार्मिक-सामाजिक उत्सवों के केंद्र बनें। उत्तरकाशी के कई प्राचीन मंदिर आज उपेक्षित हैं, जबकि वे हमारी आस्था और संस्कृति के प्रतीक हैं। रुद्रेश्वर मंदिर समिति पिछले तीन वर्षों से नवरात्रि उत्सव आयोजित कर रही है ताकि लोग अपने आसपास के मंदिरों को ही जागरण और जनसंपर्क का माध्यम बनाएं। समिति की अध्यक्ष तनुजा राणा ने कहा कि मंदिर समिति केवल भजन-कीर्तन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि समाज के लिए सकारात्मक कार्यों में भी आगे रहेगी। जड़भरत मार्ग पर असामाजिक तत्वों और नशे के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए आज महिलाओं ने संकल्प लिया है कि मंदिर समिति अपने क्षेत्र की निगरानी भी करेगी और साथ ही स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी करेगी। समिति की संरक्षिका आशा पंवार ने कहा कि रुद्रेश्वर मंदिर का उद्देश्य केवल धार्मिक क्रियाकलापों तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी भावी पीढ़ी को संस्कार और संस्कृति से जोड़ना है। मंदिर में नियमित रूप से छोटे बच्चों को गायत्री मंत्र, हनुमान चालीसा, दुर्गा चालीसा और शिव चालीसा का पाठ सिखाया जाता है। बच्चों को ही हर पूजन में विशेष रूप से शामिल किया जाता है ताकि उनमें संस्कार और अध्यात्म दोनों का विकास हो। नवरात्रि उत्सव के समापन पर आयोजित गायत्री यज्ञ में विश्व शांति और हाल की आपदाओं में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए विशेष आहुति दी गई। इस अवसर पर पंडित कन्हैया लाल नौटियाल, राकेश रमोला, रोहित नौटियाल, बीना रावत, संगीता पुरी, सरदारजीत सिंह, उषा पुरी, रचनी कपूर, ममता बी, चंचल बत्रा, पूनम, दीपा रावत, प्रीति रानी, रश्मि पुरी, विष्णु पाल सिंह रावत, बिरेंद्र पुरी, अनील पुरी सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

एक नजर

राजपुर रोड हादसे के वायरल वीडियो पर एसएसपी की बड़ी कार्रवाई, थानाध्यक्ष निलंबित

पथ प्रवाह, देहरादून। राजपुर रोड पर हुए सड़क हादसे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने तत्काल संज्ञान लेते हुए बड़ी कार्रवाई की है। वीडियो में राजपुर थाने के एसओ का आचरण सरकारी कर्मचारी होते हुए अनुचित और हादसा करने जैसा प्रतीत होने पर एसएसपी ने तुरंत प्रभाव से उन्हें निलंबित कर दिया। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में प्राप्त शिकायत पत्र के आधार पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अभियोग दर्ज करने के आदेश भी स्स्कने जारी किए हैं। इसी क्रम में उपनिरीक्षक दीपक धारीवाल, जो वर्तमान में कालसी थाने में थानाध्यक्ष पद पर तैनात थे, को अब राजपुर थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मामले की गहन जांच के लिए एसपी सिटी देहरादून को जिम्मेदारी सौंपी है। जांच के दौरान हादसे और इससे जुड़े पूरे घटनाक्रम की मेडिकल जांच, सीसीटीवी फुटेज, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराकर नियम अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। एसएसपी की इस त्वरित कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है और मामले की पारदर्शी जांच पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

एसआईटी ने नकल प्रकरण में मुख्य आरोपी खालिद के घर की ली तलाशी

पथ प्रवाह, देहरादून। उत्तराखंड में नकल विरोधी कानून के तहत दर्ज प्रकरण की विवेचना कर रही एसआईटी ने अभियुक्त खालिद के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ा दिया है। टीम ने अभियुक्त के घर का सर्च वारंट लेकर तलाशी ली, जिसमें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित कोई पुस्तक या अन्य सामग्री बरामद नहीं हुई। जांच में यह भी सामने आया कि अभियुक्त खालिद ने वर्ष 2023 से 2025 के दौरान कुल 09 प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवेदन किया था। इनमें से 05 परीक्षाओं में आवेदन के बावजूद वह सम्मिलित नहीं हुआ। जिन परीक्षाओं में वह सम्मिलित हुआ, उनमें प्राप्तांक काफी कम थे। एसआईटी ने यह तथ्य भी उजागर किया कि अभियुक्त ने ऐसी परीक्षाओं के लिए आवेदन किया, जिनकी शैक्षिक योग्यताएँ वह पूरी नहीं करता था। जांच का यह हिस्सा यह पता लगाने के लिए महत्वपूर्ण है कि अभियुक्त ने इन परीक्षाओं के लिए आवेदन क्यों किया। एसआईटी टीम इस पर गहन विवेचना कर रही है और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कर रही है।

हम ऐसी विकेट पर खेलना चाहते हैं, जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों को कुछ दे: गिल

अहमदाबाद। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि पिछली घरेलू सीरीज में न्यूजीलैंड के ख़िलाफ मिली 3-0 के हार के बाद वेस्टइंडीज के ख़िलाफ अच्छा प्रदर्शन करना बहुत ज़रूरी हो गया है।

अहमदाबाद टेस्ट से एक दिन पहले पत्रकारों से बात करते हुए गिल ने कहा, ÷पिछले कुछ सालों में अगर आप टेस्ट मैच देखें तो वे पांच दिन तक नहीं चले हैं। इसलिए हमारा लक्ष्य हार्ड क्रिकेट खेलना है। इंग्लैंड में हमने जितने भी टेस्ट खेले, सभी पांचवे दिन तक गए]। मेरा मानना है कि आप हमसे यही उम्मीद कर सकते हैं कि हम अच्छा, सख़्त और धैर्य वाला क्रिकेट खेलेंगे और आसान विकल्प नहीं तलाशेंगे। हमारे पास किसी भी तरह की स्थिति में दबदबा बनाने की क़ाबिलियत है। हमारे पास जो प्रतिभा है, उससे हम किसी भी परिस्थिति से वापसी कर सकते हैं। पिछले कुछ सालों में जब भारत ने टेस्ट क्रिकेट के लिए टीमों की मेजबानी की है तो अक्सर टर्निंग पिचें तैयार की गई हैं। इस साल इंग्लैंड में भारत ने 2-2 की सीरीज में अच्छा मुक़ाबला किया, तो अब कैसी पिच की उम्मीद करनी चाहिए?

गिल ने कहा÷मैं उन चर्चाओं पर कुछ नहीं कह सकता, जो मेरे आने से पहले हुई, लेकिन हम ऐसी विकेटों पर खेलना चाहेंगे जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को कुछ दे।लेकिन यह भी सच है कि जब भी कोई टीम भारत आती है तो असली चुनौती स्पिन और रिवर्स स्विंग होती है। अगर टीमें स्पिन को अच्छे से खेल पाती हैं और रिवर्स स्विंग को चुनौती दे पाती हैं तो उन्हें अच्छी क़ामयाबी मिल सकती है। तो इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए आप ऐसी विकेट पर खेलना चाहेंगे, जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को मदद दे। इंग्लैंड में भारत ने तेज गेंदबाजी पर आधारित आक्रमण चुना था और सिर्फ रवींद्र जडेजा और वॉशिगंटन सुंदर जैसे ऑलराउंडर्स ही स्पिनर थे, जबकि कुलदीप यादव को पांचों टेस्ट में नहीं खिलाया गया। भारत में स्थिति अलग होगी, लेकिन टेस्ट से दो दिन पहले इशारे थे कि अहमदाबाद की पिच उम्मीद से ज्यादा हरी रहेगी। गिल ने कहा, भारत में मौसम और विकेट ऐसा है कि इंग्लैंड वाला टेम्पलेट फ़ॉलो करना मुश्किल होगा। हमारे पास इतनी क्वालिटी है। सभी फॉर्मेट में हमारे लिए विकेट लेने वाले कुलदीप जैसे खिलाड़ी को इंग्लैंड में मौक़ा नहीं मिला, जो दुर्भाग्यपूर्ण था। लेकिन यहां चार स्पिनर्स के साथ खेलना हमेशा आपको ललचाता है। लेकिन आपको बल्लेबाजी की गहराई भी देखनी होती है और यह सोचना होता है कि कौन-सा कॉम्बिनेशन ज्यादा मदद देगा।

रावण बना रहे कारीगरों की सरकार को करनी चाहिए आर्थिक मदद-गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजधानी जयपुर में मंगलवार को हुई मूसलाधार बरसात से दशहरा के लिए बना रहे रावण के पुतलों के खराब होने से कारीगरों को हुए नुकसान से उबारने के लिए राज्य सरकार से आर्थिक मदद करने की मांग की हैं। गहलोत ने बुधवार को अपने बयान में कहा कि जयपुर एवं प्रदेश के कई शहरों में कल अचानक हुई तेज बारिश से दशहरे के लिए रावण बना रहे कारीगरों को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। गुरुवार को विजयादशमी का त्यौहार है। यह त्यौहार इनके लिए बड़ा आर्थिक अवसर था पर जो अब चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि हमारी कांग्रेस सरकार ने कोरोना में कलेक्टर के माध्यम से असहाय लोगों का सर्वे करवाकर जिस तरह सहायता की थी उसी तरह इन गरीब कारीगरों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करानी चाहिए जिससे इन्हें आर्थिक संकट से उबारा जा सके।

अपने ही थाने में थानेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

एसएसपी देहरादून ने किया सख्त एक्शन

पथ प्रवाह, देहरादून

राजपुर रोड पर हाल ही में हुए एक एक्सीडेंट का वायरल वीडियो वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) देहरादून ने तुरंत संज्ञान में लिया। वीडियो में प्रथम दृष्टया देखा गया कि राजपुर थाने के थानेदार ने सरकारी कर्तव्य का उल्लंघन किया और एक्सीडेंट के दौरान अनुचित व्यवहार किया।

एसएसपी ने तत्काल प्रभाव से थानाध्यक्ष राजपुर को निलंबित कर दिया और अपने ही थाने में थानेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए। यह कदम कानून के समक्ष सभी के लिए समानता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नया पदस्थापन और जांच

उपनिरीक्षक दीपक धारीवाल को थानाध्यक्ष राजपुर का कार्यभार सौंपा गया है। एसएसपी ने एसपी सिटी देहरादून को निर्देशित किया है कि मामले की गहन और पारदर्शी जांच की जाए।

जांच के दौरान निम्नलिखित कदम उठाए जाएंगे

- सीसीटीवी फुटेज, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का संकलन।
- संबंधित अधिकारी/कर्मचारी का मेडिकल परीक्षण।
- नियमों के अनुसार पूरे प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करना।

एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने स्पष्ट कहा, कानून सभी के लिए बराबर है। कोई भी सरकारी कर्मचारी अपनी पद का दुरुपयोग नहीं कर सकता। जवाबदेही से भागना अपराध है और इसके लिए कोई छूट नहीं है।

जनता और सोशल मीडिया की प्रतिक्रिया

वायरल वीडियो के बाद सोशल मीडिया पर नागरिकों ने पुलिस की जवाबदेही पर सवाल उठाए।

बसंत विहार हत्याकांड का मुख्य आरोपी भाई गिरफ्तार, साथी को पहले जेल

पथ प्रवाह, देहरादून

बसंत विहार क्षेत्र में युवती की हत्या के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को दून पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद से लगातार गिरफ्तारी से बच रहा आरोपी युवती का सगा भाई ही निकला। पुलिस ने उसे मुखबिर की सूचना पर बुलबुल चौक से स्मिथ नगर जाने वाली सड़क के पास से दबोचा।

क्या है पूरा मामला

22 सितंबर को थाना बसंत विहार को कंट्रोल रूम 112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि टी स्टेट पितांबरपुर मजार के पास झाड़ियों में बोरी के अंदर एक युवती का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराई। सोशल मीडिया और आसपास के लोगों की मदद से मृतका की पहचान की गई और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया।

जांच में खुलासा हुआ कि मृतका का अपने भाई विशाल से विवाद हुआ था। दोनों नशे के आदी थे और विवाद के दौरान विशाल ने अपनी 20 वर्षीय बहन की हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपने किराएदार लोकेंद्र उर्फ राजा के साथ मिलकर शव को झाड़ियों में फेंक दिया। पुलिस ने 23 सितंबर को लोकेंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि मुख्य आरोपी विशाल फरार हो गया था।

पुलिस की रणनीति

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर गठित टीम लगातार आरोपी की तलाश में जुटी थी।

मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने और संभावित ठिकानों पर दबिश देने के बाद आखिरकार पुलिस को सफलता हाथ लगी और फरार आरोपी विशाल गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपी का विवरण

नाम- विशाल, पिता का नाम- बुधराम, निवासी स्मिथ नगर, प्रेमनगर, देहरादून, उम्र- 23 वर्ष

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

1. व0 उ0नि0 दुर्गेश कोठियाल, 2. हेड कॉन्स्टेबल जितेंद्र कुमार, 3. कांस्टेबल शार्दुल विक्रम

भारत-ईएफटीए के बीच व्यापार, आर्थिक साझेदारी समझौते का लागू होना ऐतिहासिक-गोयल

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और यूरोप के चार देशों के मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच हुये व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टेपा) के बुधवार को लागू होने के अवसर को ऐतिहासिक बताया है।

गोयल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, सचमुच एक ऐतिहासिक दिन है। इससे व्यापार, निवेश और रोज़गार सृजन के नए अवसर खुलेंगे, जिससे हमारे लोगों और व्यवसायों को लाभ होगा।÷ उन्होंने कहा कि इससे संबंधित पक्ष आर्थिक संबंधों को और मज़बूत करने के लिए मिलकर काम कर सकेंगे।

इस समझौते के लागू होने के अवसर पर ईएफटीए के सदस्य देश स्विटजरलैंड के आर्थिक मामलों, शिक्षा और अनुसंधान विभाग के प्रमुख गायॅ पार्मेलिन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, % ईएफटीए और भारत के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टीईपीए) लागू हो रहा है। मैं अपने प्रिय सहयोगी पीयूष गोयल के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूँ ताकि स्विट्जरलैंड और भारतीय अर्थव्यवस्थाओं के लिए नये अवसर विकसित किए जा सकें।÷

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे, लिकटेंस्टीन और आइसलैंड की सदस्यता वाले ईएफटीए के साथ इस ऐतिहासिक समझौते को वस्तुओं और सेवाओं के लिए बाज़ार पहुंच को बढ़ाने वाला, बौद्धिक संपदा अधिकारों को मज़बूत करने और मेक इन इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत पहलों का समर्थन करते हुए सतत, समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाला समझौता बताया है। इस समझौते पर पिछले साल 10 मार्च को नयी दिल्ली में हस्ताक्षर किये गये थे।

आरबीआई के बयान से झूमे शेयर बाजार, सेंसेक्स 716 अंक उछला

मुंबई। मौद्रिक नीति और सुधारों पर रिजर्व बैंक के बयान के बाद बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में जबरदस्त तेजी देखी गयी और लगातार आठ कारोबारी सत्रों की गिरावट से उबरता हुआ बीएसई का सेंसेक्स लगभग 716 अंक उछल गया।

केंद्रीय बैंक ने आज बैंकिंग में सुधार और ऋण उठाव को बढ़ावा देने के लिए कई प्रस्तावों की घोषणा की। इससे निजी बैंकों के शेयरों में अच्छी खासी तेजी देखी गयी। टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक और यात्री वाहनों के कारोबार को अलग करने के लिए रिकॉर्ड डेट की घोषणा के बाद उसके शेयरों में 5.54 प्रतिशत का उछाल देखा गया।

सेंसेक्स 715.69 अंक (0.89 प्रतिशत) की तेजी के साथ 80,983.31 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 225.20 अंक यानी 0.92 प्रतिशत चढ़कर 24,836.30 अंक पर पहुंच गया।

मझौली और छोटी कंपनियों में भी इसी तरह की तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.87 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.10 प्रतिशत बढ़ गया।

एनएसई में निजी बैंकिंग सेक्टर का सूचकांक 1.97 प्रतिशत और फार्मा का 1.30 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। स्वास्थ्य समूह, रियलिटी, ऑटो, आईटी और तेल एवं गैस सेक्टरों में भी निवेशक लिवाल रहे। सार्वजनिक बैंकों के सेक्टर को छोड़कर अन्य सभी में तेजी रही।

एनएसई की जिन 3,159 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,199 में बढ़त में और 875 गिरावट में बंद हुये जबकि अन्य 85 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 22 के शेयर हरे निशान में बंद हुये। टाटा मोटर्स का शेयर सबसे अधिक 5.54 प्रतिशत चढ़ा।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन-249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, सुरेन्द्र पाल सिंह (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई- www.pathpravah.com